CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-191
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 16 अक्टूबर 2024

आज का विचार

समय और धैर्य, दो सबसे बड़े योद्धा हैं।

'मुफ्त रेवड़ियों से हो रहा नुकसान', सुप्रीम कोर्ट का आयोग और सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों की तरफ से मुफ्त की रेवड़ियों का वादा करने के चलन के विरुद्ध एक नई याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने बेंगलुरु निवासी शशांक जे. श्रीधारा की याचिका पर ये नोटिस जारी किए। वकील श्रीनिवास की तरफ से दायर याचिका में निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों को चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के वादे करने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बेलगाम वादे सरकारी राजकोष पर बड़ा और बेहिसाब वित्तीय बोझ डालते हैं।

कोर्ट ने अन्य याचिकाओं को भी जोड़ा सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को अन्य याचिकाओं से जोड़ा है। इससे पहले, कोर्ट चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा करने के चलन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमत हो गया। वकील एवं जनहित याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश सीनियर अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मामले पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था।

चुनाव से किए वादे पूरे करने का कोई तंत्र नहीं याचिका में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि चुनाव से किए वादे पूरे किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को इसी मुद्दे पर अन्य याचिकाओं से संबद्ध कर दिया। याचिका में कहा गया है कि मतदाताओं से अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए लोकलुभावन उपायों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि वे संविधान का उल्लंघन करते हैं और निर्वाचन आयोग को उचित निवारक उपाय करने चाहिए।

संविधान की भावना के लिए खतरा याचिका में अदालत से यह घोषित करने का भी आग्रह किया गया है कि चुनाव से पहले सार्वजनिक निधि से अतार्किक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसरों में बाधा डालता है और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को दूषित करता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनावों के मद्देनजर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा कर मतदाताओं को प्रभावित करने की राजनीतिक दलों की हाल की प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए बल्कि संविधान की भावना के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

अब इंदौर-गांधी नगर शांति एक्सप्रेस में लगेंगे एलएचबी रैक

इंदौर। मध्यप्रदेश से गुजरात जाने वाले वाले यात्रियों की ट्रेन सफर अब सुरक्षित और आरामदायक होगाा। इंदौर से गांधी नगर तक जाने वाली शांति एक्सप्रेस ट्रेन के लिए रेल विभाग ने एलएचबी रैक(लिंक हॉफमैन बुश) तैयार कराए है। फरवरी माह से उसके साथ रेलगाड़ी का संचालन होगा। पश्चिम रेलवे ने ट्रेन संख्या 19310/19309 इंदौर-गांधीनगर कैपिटल-इंदौर शांति एक्सप्रेस के पारंपरिक आईसीएफ रेक को एलएचबी(लिंक हॉफमैन बुश) रैक से बदलने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 19310 इंदौर-गांधी नगर कैपिटल एक्सप्रेस इंदौर से 1 फरवरी से और गाड़ी संख्या 19309 गांधी नगर कैपिटल इंदौर एक्सप्रेस 2 फरवरी से एलएचबी रैक से चलेगी। इस ट्रेन में एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, छ- थर्ड एसी, सात स्लीपर श्रेणी और चार सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेन के लिए रैक बनकर तैयार हो चुके हैं। एलएएचबी यात्री कोच को जर्मनी के लिंक हॉफमैन बुश द्वारा बनाया गया था। इस वजह से यह एलएचएबी कोच या रैक के नाम से पहचाना जाता है। भारतीय रेल के लिए यह कोच कपूरथला, चेन्नई और रायबरेली में बनते हैं। यह कोच स्टेनलेस स्टील के बने होते है। हादसों के समय यह कोच कम क्षतिग्रस्त होते है। यात्रियों के लिए भी यह कोच आरामदायक होते है।

एक दिन में सात विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। देश में मंगलवार को सात विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इससे हड़कंप मच गया है। सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई हैं। विमानों को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारा गया और उसके बाद गहन जांच की गई। इन विमानों में एअर इंडिया, स?पाइसजेट, इंडिगो और अकासा के विमान शामिल हैं। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों ने विमानों की धमकी देने वालों का पता लगाने के लिए भी कोशिश तेज कर दी है। साथ ही एहतियात के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं। इससे कई सौ यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में ये धमकियां झूठी निकलीं। दिल्ली से शिकागो जा रहे एअर इंडिया के एक विमान को मंगलवार को बम की धमकी के बाद कनाडा के एक एयरपोर्ट की की ओर मोड़ दिया गया। एअरलाइन ने एक बयान में कहा कि 15 अक्टूबर 2024 को दिल्ली से शिकागो जा रहे विमान एआई 127 को ऑनलाइन पोस्ट की गई सुरक्षा धमकी के बाद एहतियात के तौर पर कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। अधिकारियों के मुताबिक, दमाम से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट को बम की धमकी मिलने के बाद जयपुर डायवर्ट किया गया। बम की धमकी के बाद फ्लाइट की आपात लैंडिंग कराई गई। इसके साथ ही जयपुर से बेंगुलुरु जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट, दरभंगा से मुंबई जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट, सिलीगुड़ी से बेंगलुरु जा रहा अकासा की फ्लाइट, मदुरै से सिंगापुर जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट और अमृतसर से दिल्ली जाने वाली अलायंस एयर की फ्लाइट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली।

एक दिन पहले तीन फ्लाइट्स को मिली थी धमकी सोमवार को मुंबई से टेक ऑफ करने वाली तीन फ्लाइट्स को बम की धमकी दी गई थी। पहली फ्लाइट मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की थी। इसे दिल्ली डायवर्ट किया गया। दूसरी फ्लाइट इंडिगो की थी, जो मुंबई से मस्कट जाने वाली थी। वहीं तीसरी फ्लाइट मुंबई से जेद्दाह जाने वाली थी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिले विदेशमंत्री जयशंकर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन का मंगलवार को पहला दिन रहा। विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को ही इस्लामाबाद पहुंचे। पीएम शहबाज शरीफ ने एससीओ नेताओं के लिए डिनर रखा। यहीं पीएम शहबाज और जयशंकर की मुलाकात हुई। पाकिस्तानी पीएम ने आगे आकर हैंड शेक किया। दोनों नेताओं के बीच कुछ देर क्या बातचीत हुई। जयशंकर करीब 9 साल बाद पाकिस्तान जाने वाले पहले भारतीय नेता हैं। इससे पहले 14 अक्टूबर को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक इंटरव्यू में कहा था कि एससीओ की मीटिंग में शामिल होने अगर पीएम मोदी आते तो ज्यादा अच्छा होता, मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे जल्द मुलाकात करूंगा। दरअसल, पाकिस्तान ने अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी को एससीओ का न्योता भेजा था, लेकिन दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के चलते विदेश मंत्री को भेजा गया। जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि पाकिस्तान जाने का इकलौता मकसद एससीओ है, वे दोनों देशों के रिश्तों पर चर्चा नहीं करेंगे। भारत के अलावा रूस और चीन समेत 10 देशों के प्रतिनिधि भी एससीओ की बैठक में शामिल होंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए इस्लामाबाद में लॉकडाउन लगा दिया गया है। साथ ही पूरे शहर में 3 दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी गई है।

वक्फ बिल पर जेपीसी मीटिंग से विपक्ष ने दूसरे दिन भी किया वॉकआउट

नई दिल्ली। वक्फ बिल पर बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की मंगलवार को हुई दूसरे दिन की बैठक में भी विपक्ष ने वॉकआउट किया। दरअसल विपक्ष का आरोप है कि जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल नियमों के मुताबिक नहीं चल रहे हैं। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर शिकायत की। शिकायत करने वाले नेताओं में कांग्रेस सदस्य गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन, इमरान मसूद, डीएमके पार्टी के नेता ए. राजा और एमएम अब्दुल्ला, एआईएमआईएम पार्टी नेता असदुद्दीन ओवैसी और टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी शामिल हैं। इनका कहना है कि जगदंबिका पाल भाजपा का पक्ष लेते हैं। मीटिंग में विधेयक पर चर्चा से ज्यादा मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ आरोपों का चर्चा हुई। वहीं भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्य अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। वक्फ बिल पैनल की बैठक के दूसरे दिन एनडीए और विपक्ष सांसदों के बीच तीखी बहस हुई। मंगलवार को वक्फ संशोधिन विधेयक की संसदीय समिति बैठक के दौरान विपक्ष ने भाजपा सांसदों पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को , झारखंड में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग, दोनों राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को

महाराष्ट्र और झारखंड में बज गया चुनावी बिगुल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की। माहाराष्ट्र में एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, झारखंड में दो चरणों में चुनाव होगा। पहले चरण का मतदान 13 नवंबर को होगा और दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा। झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों के ही साथ 23 नवंबर को होगी। चुनाव के ऐलान के साथ ही दोनों राज्यों में नई सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच मुकाबले का मंच तैयार हो चुका है। चुनाव का ऐलान होते ही राजनीतकि दलों में हलचल तेज हो गई है।महाराष्ट्र में उम्मीदवारों पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने बुधवार को स्क्रीनिंग कमेटी की पहली बैठक कल बुला ली है। यह बैठक दिल्ली में कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता में होगी। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने ऐलान किया कि महाराष्ट्र और झारखंड में उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी।

वायनाड और नांदेड़ लोकसभा सीट पर होगा उपचुनाव निर्वाचन आयोग ने केरल की वायनाड और नांदेड़ लोकसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान किया है। वायनाड सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में वायनाड और रायबरेली सीट से जीत दर्ज की थी। गांधी ने वायनाड सीट खाली कर दी थी और रायबरेली सीट को बरकरार रखा था। इस सीट से राहुल गांधी की बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी की उम्मीदवार होंगी। नांदेड़ संसदीय सीट पर उपचुनाव कांग्रेस सांसद वसंत चव्हाण के निधन के कारण हो रहा है। इस सीट पर उपचुनाव महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान वाले दिन 20 नवंबर को होगा।

मप्र की दो सहित 48 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव आयोग ने मंगलवार को जिन 48 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की घोषणा की है, उनमें मध्यप्रदेश की दो, उत्तरप्रदेश की नौ, राजस्थान की सात, पश्चिम बंगाल की छह, असम की पांच, बिहार की चार, पंजाब की चार, कर्नाटक की तीन, केरल की दो, , सिक्किम की दो तथा छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तराखंड और मेघालय की एक-एक सीट शामिल हैं। इन विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा। सभी उपचुनाव के नतीजों का ऐलान 23 नवंबर को होगा।

इन सीटों पर अभी उपचुनाव नहीं निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट और उत्तरप्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा फिलहाल नहीं की है। आयोग ने इन दोनों सीटों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अदालत में मामला होने के चलते इन जगहों पर उपचुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। इसी तरह केरल की देवीकुलम विधानसभा सीट भी रिक्त है, लेकिन यहां के विधायक रहे ए राजा की अयोग्यता का मामला कोर्ट में होने के कारण इस पर चुनाव का ऐलान नहीं किया है।

महाराष्ट्र की वर्तमान स्थिति महाराष्ट्र में विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म होगा। वर्तमान में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन सत्ता में है. शिवसेना के एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं। महाराष्ट्र सरकार शिवसेना, भाजपा और डिप्टी सीएम अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच गठबंधन के साथ चल रही है। 2019 का विधानसभा चुनाव शिवसेना और भाजपा ने मिलकर लड़ा था। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 165 पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और उसे 105 सीटों पर जीत मिली थी, भाजपा महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

झारखंड की वर्तमान स्थिति झारखंड की बात करें तो राज्य में विधानसभा का कार्यकाल अगले साल पांच जनवरी को समाप्त होने वाला है। झारखंड में साल 2019 के विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गठबंधन ने राज्य की 81 में से 47 सीट जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। इसके बाद हेमंत सोरेन दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। इस चुनाव में भाजपा 25 सीट पर सिमट गई थी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

40 फीसदी से अधिक विकलांग स्टूडेंट्स भी कर सकते हैं एमबीबीएस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि 40 प्रतिशत की बेंचमार्क विकलांगता होने से किसी भी कैंडिडेट को मेडिकल की पढ़ाई करने से रोका नहीं जा सकता, जब तक कि कोई एक्सपर्ट रिपोर्ट न हो कि कैंडिडेट एमबीबीएस करने में असमर्थ है। जस्टिस बीआर. गवई, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस केवी. विश्वनाथन की बैंच ने अपने आदेश के लिए विस्तृत कारण दिए, जिसमें एक उम्मीदवार को एमबीबीएस कोर्स में एडमिशन लेने की अनुमति दी गई है, जब मेडिकल बोर्ड यह मंजूरी दे कि वह बिना किसी बाधा के मेडिकल एजुकेशन प्राप्त कर सकता है। बैंच ने कहा कि एमबीबीएस कोर्स को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता से पीड़ित उम्मीदवार की क्षमता की जांच विकलांगता मूल्यांकन बोर्ड द्वारा की जानी चाहिए। इसमें कहा गया है कि केवल बेंचमार्क विकलांगता का अस्तित्व किसी उम्मीदवार को एमबीबीएस कोर्स के लिए एलिजिबल होने से अयोग्य नहीं ठहराएगा। उम्मीदवार की विकलांगता का आकलन करने वाले विकलांगता बोर्ड को पॉजिटिव रूप से यह दर्ज करना चाहिए कि क्या उम्मीदवार की विकलांगता कोर्स को पूरा करने में उम्मीदवार के रास्ते में आएगी या नहीं। इसके साथ ही कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि विकलांगता बोर्ड यदि किसी कैंडिडेट को एमबीबीएस कोर्स करने के लिए असमर्थ बताता है तो बोर्ड को इसके लिए जायज कारण बताने होंगे। यह फैसला कोर्ट ने एक छात्र ओमकार की याचिका पर फैसला सुनाया, जिसने 1997 के ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन को चुनौती दी थी, जो 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले उम्मीदवारों को एमबीबीएस कोर्स की पढ़ाई करने से रोकता है। पीठ ने कहा, केवल बेंचमार्क विकलांगता का होना किसी उम्मीदवार को एमबीबीएस कोर्स के लिए पात्र होने से अयोग्य नहीं ठहराएगा। उम्मीदवार की विकलांगता का आकलन करने वाले विकलांगता बोर्ड को निश्चित रूप से यह दर्ज करना चाहिए कि उम्मीदवार की विकलांगता कोर्स करने के रास्ते में आएगी या नहीं।

यह कहता है मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन 1997 के तहत 40 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांगता वाले छात्र को मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने से रोकता है।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

धरोहर को पहुंचा नुकसान, कुछ भी बोलने से कतरा रहे जिम्मेदार

डरावने चेहरे, खून से लथपथ फव्वारे, इमारत पर लटकते कंकाल देख डर गए अफसर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक बार फिर एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने शहरवासियों को हैरान कर दिया है। शहर के ऐतिहासिक किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज में कुछ युवाओं ने 'भूतिया पार्टी' का आयोजन किया, जिसके चलते इस धरोहर को काफी नुकसान पहुंचा है। दरअसल, कुछ युवाओं ने इस धरोहर में एक पार्टी का आयोजन किया। इस पार्टी के दौरान युवाओं ने धरोहर को कब्रिस्तान में बदल दिया। यहां भूतों के डरावने चेहरे बनाए, खून से लथपथ फव्वारे लगाए और दीवारों पर लाल और काले स्प्रे से लिख दिया, 'ओ स्त्री कल आना'। इस घटना के बाद से शहर में इस पार्टी को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है। वहीं जिम्मेदार इस पार्टी को लेकर कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं। बता दें कि किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज की स्थापना 1848 में हुई थी और यह मध्य भारत का सबसे पुराना कॉलेज भवन है। यह फ्रेंच गोथिक शैली की वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है। हालांकि, कई वर्षों से यह भवन जर्जर हालत में है और इसे बचाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस घटना के बाद प्रशासन ने अभी तक कोई

आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव से शिकायत की है और इस पार्टी पर कई सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता अभिजीत पांडे ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव से शिकायत में कहा है कि निजी पार्टी के लिए सरकारी बिल्डिंग का उपयोग कैसे हो गया और अनुमति आखिर किस आधार पर मिल गई। इसके एवज में कितना शासकीय शुल्क लिया गया। इसका खुलासा भी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को करना चाहिए।

एमजीएम के अधिकारियों में खलबली

हैलोवीन उत्सव दो सप्ताह बाद है, लेकिन कुछ युवाओं ने ऐतिहासिक धरोहर में तमाम मानदंडों की अनदेखी करते हुए अपने डरावने उत्सव का मंचन किया। अब इससे एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों में खलबली मच गई है। पार्टी के लिए सरकारी बिल्डिंग के उपयोग पर सवाल उठ रहे है और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने चुप्पी साध ली है। किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज की इस बिल्डिंग को संवारने की योजनाएं भी बनी थी, लेकिन मूर्त रुप नहीं ले पाई। इस सरकारी बिल्डिंग का उपयोग एक निजी भूतिया पार्टी के लिए होने पर सवाल उठ रहे हैं।

दीवारों पर ठोक दी मोटी कीलें

पार्टी के नाम पर बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचाया गया। दीवारों पर पेंट किए गए और मोटी कीलें भी ठोकी गई। सोमवार सुबह तक चली भूतिया पार्टी में कुछ युवक शामिल हुए थे। दीवारों पर कंकाल भी सजाए गए थे। बताते है कि सरकारी परिसर में ही डिनर परोसा गया। कुछ शराब की बोतलें भी परिसर में पड़ी हुई थी। इस मामले में मेडिकल कॉलेज डीन संजय दीक्षित का कहना है कि एक ग्रुप ने मेडिकल कॉलेज भवन का दौरा करने की अनुमति मांगी थी। पार्टी का मुझे पता नहीं है।

लगा जैसे काला जादू किया गया हो

युवाओं ने धरोहर के बाहर ही कब्रिस्तान बनाया। साथ ही दीवारों पर ओ स्त्री कल आना, दानव का कक्ष, आरआईपी (रेस्ट इन पीस) और कई अन्य डरावनी लाइनें लिखीं। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि हम ऐसे कब्रस्तान, खून से लथपथ फव्वारा, इमारत पर लटकते कंकाल देखकर डर गए। शुरुआत में ऐसा लगा जैसे काला जादू किया गया हो या कोई फिल्म शूट की गई होगी। चूंकि यह इमारत पहले से भूतहा बिल्डिंग के रूप में मशहूर है, इसलिए यह डर और बढ़ गया।

10 दिन से हो रही थी पार्टी की तैयारी

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मुताबिक पुराना मेडिकल स्कूल भवन एमजीएम मेडिकल कॉलेज की संपत्ति है। ायोजक ने स्मारक को देखने के लिए परिसर की इमारत में केवल 20 लोगों के आने की अनौपचारिक अनुमति ली थी। सूत्रों के मुताबिक, एक समुदाय से जुड़े एक समूह ने इसके लिए अनुमति मांगी थी और पिछले 10 दिनों से इस पार्टी की तैयारी कर रहा था। डीन डॉ. संजय दीक्षित का कहना है कि समूह ने केवल इमारत का दौरा करने की अनुमति मांगी थी।

पार्टी की अनुमति के लिए डाला था दबाव

जानकारी के अनुसार, राजनीतिक हस्तियों समेत विभिन्न प्रमुख लोगों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर पार्टी के आयोजन की अनुमति देने के लिए दबाव डाला था। हैरानी की बात यह है कि पार्टी में उपस्थित लोगों को लॉन में खाना परोसा गया। पार्टी के दौरान युवाओं ने परिसर में खड़ी मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब का शीशा भी तोड़ दिया।

बारिश के बीच मानसून विदाई की घोषणा... फसलों को हो चुका भारी नुकसान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में अभी जहां बारिश का दौर चल रहा है वहीं मौसम विभाग ने मंगलवार को पूरे प्रदेश में मानसून विदाई की घोषणा कर दी है। बारिश कराने वाले सिस्टम की एक्टिविटी से मंगलवार को इंदौर, धार समेत कई जिलों में बारिश दर्ज की गई जबकि राजधानी भोपाल में धूप-छांव चलती रही। मौसम विभाग का कहना है एक-दो दिन में प्रदेश का मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा और 20 अक्टूबर तक हल्की ठंड की शुरुआत हो सकती है। इस बीच इंदौर में बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इंदौर में मंगलवार को मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। सुबह कोहरा छाने के बाद धूप निकली, लेकिन दोपहर के समय बारिश शुरू हो गई। इस बदलाव के कारण शहर का तापमान तेजी से गिरकर 24 डिग्री से नीचे चला गया। मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर 3 बजे के बाद से मौसम में यह परिवर्तन आया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि लो प्रेशर एरिया डिप्रेशन में बदल गया है, जिसके कारण बारिश हो रही है।

सोयाबीन और उड़द पूरी तरह बर्बाद

इंदौर सहित कई जिलों में बेमौसम बारिश ने किसानों के लिए गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इंदौर समेत आसपास के इलाकों में हुई बारिश से खरीफ की फसलें, खासकर सोयाबीन और उड़द, पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। बेमौसम बारिश के चलते किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है और वे अब फसलों के नुकसान से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है, जबकि अगले हफ्ते ठंड की दस्तक भी शुरू हो सकती है।

किसानों को सरकारी मदद की आस

इंदौर और उसके आसपास के क्षेत्रों में बेमौसम बारिश से खरीफ की फसलें, विशेषकर

सोयाबीन और उड़द, बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। किसानों के अनुसार, फसलों पर पड़ी ओलावृष्टि और लगातार बारिश ने उत्पादन को बर्बाद कर दिया है। किसान जो फसल कटाई के लिए तैयार कर रहे थे, उन्हें अब भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। सोयाबीन और उड़द की फसलें, जो बारिश के पानी से अधिक संवेदनशील होती हैं, अब खेतों में ही सड़ने लगी हैं। किसानों को डर है कि अगर बारिश इसी तरह जारी रही तो उनकी मेहनत पूरी तरह बेकार हो जाएगी। किसान अब सरकारी मदद की आस लगाए बैठे हैं।

सुबह धूप और दोपहर बाद बारिश

इंदौर में मंगलवार को सुबह धूप के साथ दिन की शुरुआत हुई, लेकिन दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट ली और रिमझिम बारिश शुरू हो गई. तेज गरज और बादलों के साथ कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। पश्चिमी इंदौर में बारिश की गति काफी तेज रही, जहां पिछले 5 दिनों में कुल 16 मिलीमीटर यानी आधा इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मंगलवार को दोपहर 2 बजे तक अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था, जो बारिश के कारण घटकर 28.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह लगातार चौथा दिन था, जब बारिश के बाद अचानक तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इंदौर में लगातार हो रही बारिश से किसानों के लिए समस्याएं बढ़ गई हैं, क्योंकि फसलें पूरी तरह से खराब हो चुकी हैं।

दक्षिण-पश्चिम दिशा से चल रही हवा

मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर में अगले दो-तीन दिनों में भी इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। दक्षिण-पश्चिम दिशा से चल रही हवा के कारण वातावरण में नमी बनी हुई है, जो बारिश का कारण बन रही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले हफ्ते ठंड की शुरुआत हो सकती है।

बैतूल जिले में इस महीने सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई है, जबकि इंदौर में भी लगातार बारिश हो रही है।

सोलर पैनल से बिजली बनाने में मालवा-निमाड़ नंबर-1

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मालवा-निमाड़ यानी पश्चिम मप्र में सूरज की किरणों से बिजली तैयार करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में 80 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज हुई है।

बिजली कंपनी के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में सोलर सिस्टम के माध्यम से बिजली बनाने में इंदौर पूरे प्रदेश में नंबर वन है। इंदौर में इस समय 11 हजार 400 से ज्यादा छतों पर सोलर सिस्टम के माध्यम से बिजली बनाई जा रही है। वर्तमान में पश्चिम मप्र में 19750 स्थानों, छतों, परिसरों से रूफ टॉप सोलर नेट मीटर के तहत और ऊर्जा उत्पादन हो रहा है, यह संख्या अक्टूबर अंत तक 20 हजार के पार हो जाएगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि इस कैलेंडर वर्ष में सौर ऊर्जा के प्रति सबसे ज्यादा आकर्षण देखा गया है। पीएम सूर्य घर योजना लागू होने के बाद बहुत तेजी से बिजली उपभोक्ताओं का रुझान इस ओर रहा, यहीं कारण हैं कि फरवरी से अक्टूबर दूसरे सप्ताह के बीच करीब नौ हजार बिजली उपभोक्ता इससे जुड़े चुके हैं। इन उपभोक्ताओं की छतों, परिसरों पर सौर पैनल लग चुके हैं, यहीं नहीं इनकी बिजली भी उत्पादित होकर

विधिवत रूप से मीटर और बिलिंग सिस्टम में दर्ज हो रही है।

प्रबंध निदेशक ने बताया वर्तमान में कंपनी क्षेत्र में निम्न दाब और उच्च दाब से संबद्ध उपभोक्ताओं के यहां 19750 स्थानों पर नेट मीटर लगे हैं। इनकी कुल उत्पादन क्षमता 200 मेगावॉट के करीब है। सबसे ज्यादा उत्पादन इंदौर शहर क्षेत्र, सुपर कॉरिडोर, बाइपास इत्यादि स्थानों पर हो रहा है। इंदौर महानगर क्षेत्र में करीब 11 हजार 400 स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है, इसकी कुल क्षमता 100 मेगावॉट के पार हैं। दूसरे स्थान पर उज्जैन जिला 2 हजार स्थानों पर, तीसरे स्थान पर देवास जिला 1 हजार स्थानों पर रूफ टॉप सोलर मीटर वाला हैं। रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में चौथे स्थान पर रतलाम जिला 755 स्थान, पांचवां स्थान खरगोन जिला 750 स्थान पर हैं। इसके बाद अन्य जिलों में 40 से 450 छतों, परिसरों में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर के माध्यम से बिजली उत्पादन हो रहा हैं।

प्रदेश में दूसरे नंबर पर भोपाल

इंदौर मध्य शहर, सुपर कॉरिडोर क्षेत्र, बाइपास से लगी कॉलोनियों, औद्योगिक इलाकों में सूरज की किरणों को सहेज कर बिजली तैयार की जा रही है। प्रदेश में इंदौर के बाद भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर का नंबर आता है। भोपाल में लगभग 7 हजार 500, जबलपुर में लगभग 4 हजार और ग्वालियर में लगभग 3 हजार 500 घरों की छत पर सोलर सिस्टम से बिजली बन रही है।

बास्केटबॉल परिसर में अ.भा. कवि सम्मेलन में आज ख्यात कवि रहेंगे मौजूद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। श्री अग्रसेन महासभा की मेजबानी में शहर के समस्त अग्रबंधुओं एवं आमंत्रित प्रबुद्ध श्रोताओं के लिए शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में देश के वीर जवानों के नाम सांस्कृतिक एकता एवं सामाजिक समरसता के लिए बुधवार को सांय 7 बजे से बास्केटबॉल काम्प्लेक्स पर अ.भा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें राष्ट्र के अनेक हास्य-व्यंग्य कवि एवं गीतकार अपनी रचनाएं सुनाएंगे।

महासभा के अध्यक्ष सीए एस.एन. गोयल एवं सचिव ओम अग्रवाल कोल ने बताया कि लोकप्रिय कवि पं. की अध्यक्षता में भोपाल की प्रख्यात गीत एवं गजलकार अंजुम रहबर, नई दिल्ली के ख्यात व्यंग्यकार डॉ. प्रवीण शुक्ला, नई दिल्ली की ही गीतकार डॉ. कीर्ति काले और वाराणसी के हास्य रस सम्राट डॉ. अनिल चौबे शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। देवास के प्रख्यात कवि शशिकांत यादव अपनी अनूठी अदाओं से संचालन कर इस कवि सम्मेलन को नई ऊंचाई प्रदान करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर महिला-पुरुषों के लिए तथा परिवार सहित आने वालों के लिए भी पृथक व्यवस्था की गई है।

त्योहारी सीजन में सोना-चांदी फिर महंगा जानें आज के ताजा रेट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में सोने और चांदी के गहनों की खरीदारी में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। लगातार गिरावट के बाद मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार, मंगलवार को सोने का रेट बढ़कर 76,001 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है, जबकि चांदी का रेट 90,026 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। इंदौर में मंगलवार को 22 कैरेट सोने की कीमत 7,119 रुपए प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमत 7,766 रुपए प्रति ग्राम रही। व्यापारियों के मुताबिक त्योहारी सीजन की शुरुआत के कारण बाजारों में सोने-चांदी की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। पिछले कुछ दिनों में सोने-चांदी की कीमतों में जो कमी आई थी, वह मंगलवार को फिर बढ़ गई है। लोगों ने शादी और त्योहारों के लिए खरीदारी शुरू कर दी है, और दीपावली तक सोने-चांदी की कीमतों में और भी उछाल देखने को मिल सकता है।

22 और 24 कैरेट में अंतर

24 कैरेट सोना 99.9त्न शुद्ध होता है, जबकि 22 कैरेट सोना लगभग 91त्न शुद्ध होता है। 22 कैरेट सोने में 9त्न अन्य धातुएं जैसे तांबा, चांदी, और जिंक मिलाई जाती हैं, जिससे जेवर तैयार किए जाते हैं। 24 कैरेट सोना बेहद शुद्ध होने के कारण उससे आभूषण नहीं बनाए जा सकते, इसलिए ज्यादातर दुकानदार 22 कैरेट में ही सोना बेचते हैं।

पकड़े न जाए, इसलिए नशे की दवाई की तरह हुई पैकिंग...

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एमडी ड्रग बनाने वाली दो फैक्ट्रियों में करोड़ रुपए का नशा पकड़े जाने के बाद मध्यप्रदेश में नशे का कारोबार संगठित गिरोह की तरह होने का पता चला है। औद्योगिक क्षेत्रों में इसका निर्माण होता है और बाकायदा सप्लाई चेन के जरिये अवैध नशा बाजार में बिकने पहुंच जाता है। भोपाल के बाद मेघनगर में भी एक फैक्ट्री में डेढ़ सौ करोड़ से ज्यादा की एमडी ड्रग केंद्रीय एजेसियों ने पकड़ी। वहां भी फार्मा फैक्ट्री की आड़ में यह काम होता था। नशे के इस कारोबार की भनक न लगे,इसलिए मेघनगर फार्मा नामक फैक्ट्री में रात के समय इसका निर्माण किया जाता था। इसे दवाई की तरह पैक किया जाता था, ताकि इसकी बिक्री के दौरान शक न हो। एजेसियां ड्रग बनाने वाले आरोपियों से पूछताछ में इसकी सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है।

दवा कारोबार से जुड़े कई लोग मुनाफे के चक्कर में इस कारोबार से भी जुड़े हुए है।

अफसरों को पता चला है कि इन फैक्ट्रियों में तैयार एमडी ड्रग पुणे, दिल्ली, मुबंई, जैसे बड़े शहरों की रेव व बड़ी पार्टियों में महंगे दामों में बिकती है। इस कारोबार से जुड़े कुछ लोगों की आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारी हो सकती है।

केमिकल सप्लाई करने वाला रडार पर

भोपाल में पकड़ी गई 18 सौ करोड़ की फैक्ट्री में एमडी ड्रग के लिए इंदौर के पूर्वी रिंग रोड के एक ट्रेडर्स से कच्चा माल सप्लाई होता था। उसका व्यापारी भी एजेसियों के रडार पर है। अफसर यह पता लगाने में जुटे हैं कि वह और कहां-कहां कच्चा माल सप्लाई करता था।

एमडी ड्रग की दो फैक्ट्री मध्य प्रदेश में पकड़े जाने के बाद कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को घेर रखा है, लेकिन कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी नशे के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर चौका दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने ही सार्वजनिक रुप से इंदौर में राजस्थान के प्रतापगढ़ से नशा आने का खुलासा कर दिया। मुख्यमंत्री को भी मंच से कहना पड़ा कि अफसरों को पूरी छूट है, वे सख्त एक्शन लें।

सिंगल कॉलम

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वार्ड ब्वॉय-टेक्नीशियन की हडताल खत्म

भोपाल। हमीदिया अस्पताल के वार्ड ब्वॉय और टेक्नीशियन की हड़ताल खत्म हो गई है। इसके साथ ही सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। मंगलवार सुबह चार महीने से वेतन नहीं मिलने के चलते लगभग 500 कर्मचारी हड़ताल पर चले गए थे। इसके चलते सुबह से ही यहां आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब बुधवार को दो महीने का वेतन और दिपावली से पहले बोनस मिलने के आश्वासन के बाद कर्मचारी काम पर वापस लौट आए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एजाइल कंपनी को पिछले 6 महीने से जीएमसी द्वारा कोई पेमेंट नहीं किया गया है। इसके चलते कंपनी ने कर्मचारियों की सैलरी रोकी थी। एजाइल को जीएमसी के द्वारा करीब 12 करोड़ से अधिक की रकम अभी दी जानी थी। बताया जा रहा है कि फिलहाल शासन स्तर पर अभी 3 करोड़ रुपए की राशि कंपनी को दी जा रही है। जिसके बाद हडताली कर्मचारियों को बुधवार को 2 महीने की सैलरी और दिवाली से पहले बोनस दे दिया जाएगा। हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनील टंडन ने आश्वासन दिया कि बुधवार तक इन कर्मचारियों की 2 महीने की सैलरी और दीवाली से पहले इनका बोनस दे दिया जाएगा। इसके बाद भी कर्मचारी हड़ताल पर डटे हुए थे। सुनील टंडन ने सैलरी देरी से आने का कारण प्रोसेसिंग को बताया है।

एक साल में डिजीटल अरेस्ट के 24 मामले दर्ज, कई ने दर्ज नहीं कराया केस

भोपाल। राजधानी भोपाल से चौंकाने वाली खबर है। यहां डिजीटल अरेस्ट यानी फर्जी फोन कॉल पर धोखाधड़ी, ब्लैकमेल और रुपये ऐंठने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। एक साल में भोपाल में इस तरह के करीब 24 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें एक मामला रिटायर्ड नैवी कमांडर का भी है। साइबर अपराधियों ने उन्हें मुंबई पुलिस का वरिष्ठ अधिकारी बनकर हाउस अरेस्ट कर लिया। अपराधियों ने उनसे 68.49 लाख रुपये ऐंठ लिए. शहर के पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन मामलों में हालात बहुत बुरे हैं। कई पीड़ित लोगों ने तो मामले पुलिस में दर्ज ही नहीं कराए। शहर के सीनियर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लोग टेक्स्ट मैसेज, वॉट्सएप और टेलीग्राम के जरिये साइबर अपराधियों के जाल में फंस जाते हैं। लोगों को इस तरह के कॉल या मैसेज आने पर कोई भी फैसला लेने से पहले सोचना चाहिए। उन्हें इस बात को प्रमाणित करना चाहिए कि सूचना सही भी है कि नहीं। भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच और साइबर क्राइम मुख्यालय समय-समय पर लोगों के लिए एडवायजरी जारी करता है। लोगों से अपील की जाती है कि बैंक अकाउंट, इंश्योरेंस और पेंशन से जुड़े फर्जी मैसेज से बचकर रहें।

भोपाल में डेली कलेक्शन के नाम पर छोटे-बड़े व्यापारियों से ठगी की वारदात

भोपाल। भोपाल के छोटे-बड़े व्यापारियों को डेली कलेक्शन के नाम पर ठगी का शिकार बनाया गया है। कोलार के ही एक हजार से ज्यादा लोग ठगी का शिकार हुए हैं। भोपाल के कलेक्टोरेट में हुई जनसुनवाई में कोलार के राजकुमार वर्मा ने यह पीड़ा अफसरों को सुनाई। राजकुमार ने बताया, अशोक नाथ योगी और उसकी पत्नी कृष्णा ने एक कंपनी बनाकर हमसे डेली कलेक्शन के नाम पर रुपए इकट्?ठा किए। कोलार इलाके में ही करीब 1 हजार लोग इनके ग्राहक बने। अब दोनों ही रुपए लेकर फरार हो गए हैं। मोबाइल बंद है। इस कारण उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। 3 से 5 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। इन दोनों को जल्दी पकड़ा जाए, ताकि व्यापारियों को उनकी राशि मिल सके। अरवलिया स्थित राबी एन्क्लेव कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायत रहवासियों ने की है।

पड़ोसी ने रात तीन बजे घर में घुसकर किया नवविवाहिता से दुष्कर्म

भोपाल। भोपाल के ऐशबाग इलाके में रहने वाली नवविवाहिता के साथ मोहल्ले में ही रहने वाले युवक ने दुष्कर्म किया। वह रात तीन बजे महिला के घर पहुंचा तथा उसका अश्लील वीडियो वायरल करने के धमकी देने के बाद घर में घुसकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद महिला अपने मायके में आकर रहने लगी। जब युवक फिर से शादी करने का दबाव बनाने लगा तो मामले की शिकायत पुलिस को कर दी गई। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 19 वर्षीय महिला ऐशबाग इलाके एक मोहल्ले में रहती है। गत 8 महीने पहले ही उसकी शादी हुई। इसी इसी इलाके में सानिब नाम का युवक रहता है जो महिला के पति का दोस्त है। उसका घर में आना-जाना था तो महिला की भी उससे दोस्ती हो गई। इसी दौरान उसने कुछ वीडियो बनाए व फोटो खींच लिए। गत 8 अक्टूबर की रात महिला का घर में अकेली थी, उसका पति अपने मां के घर गया हुआ था।

16 साल से घर में कैद महिला की मौत, 10 दिन पहले किया था रेस्क्यू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में ससुराल वालों द्वारा 16 साल से घर में कैद करके रखी गई महिला की इलाज के दौरान सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे मौत हो गई है। नरसिंहपुर निवासी मायके वालों की शिकायत पर दस दिन पहले 5 अक्टूबर को भोपाल की महिला थाना और जहांगीराबाद थाना पुलिस की टीम ने महिला को ससुराल वालों की कैद से रेस्क्यू कर हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। इस मामले में महिला के पति के खिलाफ पहले ही प्रकरण दर्ज हो चुका है। जानकारी के अनुसार रानू साहू (40) जहांगीराबाद में रहती थी। उसके पिता नरसिंहपुर निवासी किशनलाल साहू ने महिला थाने में शिकायत की थी कि उनकी बेटी की शादी 2006 में भोपाल निवासी योगेंद्र साहू के साथ हुई थी। उसके बच्चे भी हैं। बेटी को 2008 से ही पति और अन्य ससुराल वाले उसे एक कमरे में कैद करके रखे हुए हैं, बेटी का इलाज नहीं करा रहे हैं। इसके बाद 5 अक्टूबर को पुलिस ने रानू साहू को रेस्क्यू कर हमीदिया में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई है।

25 किलो रह गया था वजन

मायके वालों की शिकायत के बाद एनजीओ, पीड़िता के परिजन को लेकर महिला थाना और जहांगीराबाद थाने की टीम जब मौके पर पहुंची थी तो पीड़िता कमरे में रस्सी से बंधी मिली। वह चल भी नहीं पा रही थी। उसे गोद में उठाकर बाहर लाया गया था। 40 साल की पीड़िता हड्डियों का ढांचा बन चुकी थी। उसका वजन सिर्फ 25 किलो रह गया था। किशनलाल साहू ने पुलिस को बताया था कि 2008 के बाद से बेटी के ससुराल वालों ने उससे मिलने नहीं दिया। बेटी के बच्चों को भी उससे दूर भेज दिया गया। ससुराल पक्ष के प्रताड़ित करने के बाद से बेटी की हालत खराब होने की जानकारी पड़ोसियों से मिली थी, इसके बाद वे भोपाल आकर पुलिस से शिकायत की थी।

पुलिस की मदद से रानू को रेस्क्यू किया

महिला थाने में नरसिंहपुर के किशन लाल साहू ने आवेदन दिया था। किशन लाल के अनुसार उनकी बेटी रानू साहू का विवाह 2006 में भोपाल निवासी योगेंद्र साहू से हुआ था। साल 2008 के बाद से बेटी के ससुराल वालों ने उससे मिलने नहीं दिया। बेटी के बच्चों को भी उससे दूर भेज दिया गया। ससुराल पक्ष के प्रताड़ित करने के बाद से बेटी की हालत खराब होने की जानकारी पड़ोसियों से मिली। किशन लाल ने पुलिस से बेटी रानू को रेस्क्यू कर इलाज कराने और ससुराल पक्ष के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसके बाद महिला थाना पुलिस ने लोकल थाने की मदद से रानू को रेस्क्यू किया।

ससुराल पक्ष ने पीड़िता को मानसिक रोगी बताया

पति और ससुर का कहना है कि पीड़िता मानसिक रोगी थी, उसका इलाज चल रहा था। हालांकि परिवार इलाज के पर्चे नहीं दिखा सका।

पति ने बंधक बनाकर रखने की बात से इनकार किया। उसने कहा- चार दिन पहले ही साले और रिश्ते की एक साली ने पत्नी से मुलाकात की थी। अगर बंधक बनाकर रखते तो उनसे मिलने क्यों देते।

बहन ने वीडियो बनाकर भेजा

पीड़िता के छोटे भाई शिव कुमार साहू ने बताया था कि सूचना मिली थी कि बहन को ससुराल में बंधक बनाकर रखा गया था। इसी का पता लगाने दो दिन पहले बहन रानू से मिलने गई। उसने वीडियो बनाकर भेजा। तब बहन की हालत देखी और पुलिस को साथ लेकर गए। ससुराल से उसे मुक्त कराया। उसकी हालत बेहद खराब थी। वजन मात्र 25 किलो रह गया था। उसके साथ अत्याचार किया जा रहा था। इस कारण उसकी हालत ऐसी हुई। ससुराल वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

नर्सिंग घोटाले के व्हिसलब्लोअर को एमएससी नर्सिंग करने से रोका

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग घोटाले के व्हिसलब्लोअर एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार के अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित मास्टर ऑफ साइंस नर्सिंग (एमएससी नर्सिंग) में प्रवेश की परीक्षा में शामिल करने की अनुमति की मांग की हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा पोस्ट बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा के लिए जारी की गई नियमावली में यह स्पष्ट किया गया है कि कोई भी उम्मीदवार, जिसके विरुद्ध थाने में कोई (चाहे कोई राजनीतिक धरना प्रदर्शन के भी प्रकरण हो) एफआईआर या आपराधिक मामला न्यायालय में लंबित हैं या जिसे न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है, वह परीक्षा के लिए अयोग्य होगा। परमार के अधिवक्ता, अभिषेक पाण्डेय ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यह तर्क दिया है कि केवल एफआईआर दर्ज होने के कारण परीक्षा में शामिल होने से वंचित करना अनुचित है।

उन्होंने अदालत से आग्रह किया है कि परमार को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाए ताकि वे अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर सकें क जब परमार ने छात्रहित में नर्सिंग घोटाले के खिलाफ आवाज उठाई तो उनके एफआईआर दर्ज की गई हैं इसी आधार पर

उन्हें 26 सितंबर को आयोजित होने वाली एमएससी नर्सिंग की प्रवेश परीक्षा में बैठने से रोका जा रहा है।

शिक्षा का अधिकार सभी के लिए समान होना चाहिए

रवि परमार ने कहा है कि यह लड़ाई सिर्फ मेरी शिक्षा की नहीं है, बल्कि उन सभी छात्रों की है जिनके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। शिक्षा का अधिकार सभी के लिए समान होना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में राजनीति से प्रेरित इन मुकदमों में न्यायालय के समक्ष दोषमुक्त साबित होऊंगा, क्योंकि मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किए गए सभी प्रकरण असत्य हैं और सरकार की साजिश का हिस्सा हैं। इन प्रकरणों का कोई ठोस प्रमाण नहीं है; तो यह बस विपक्ष के छात्र नेताओं को डराने का एक पुराना हथकंडा है।

प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की जाए

परमार ने आगे कहा कि देश की कानून व्यवस्था जटिल और लंबी है, जिसके चलते हम जैसे छात्र नेताओं को दशकों तक न्यायालय के फैसले का इंतजार करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मैं निवेदन करता हूं कि जब मैं निर्दोष साबित होऊंगा, तब शायद इस परीक्षा को देने का अवसर मेरे पास नहीं रहेगा।

इसलिए, कृपया मुझे इस प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की जाए। यदि भविष्य में माननीय न्यायालय का निर्णय मेरे पक्ष में नहीं आता है, तो मेरे परीक्षा परिणाम को विलोपित कर विधि संवंत उचित कार्यवाही की जा सकती है।

शिवपुरी, नीमच या शहडोल... ट्रेन का चक्कर छोड़िए, फ्लाइट से जाइए

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बेंगलुरु की स्प्रिट एयर कंपनी जल्द ही भोपाल से शिवपुरी, नीमच, खंडवा, मंडला और शहडोल जैसे छोटे शहरों के लिए फ्लाइट्स शुरू करने जा रही है। यह सेवा फरवरी 2025 से शुरू होगी। यह पहली बार होगा जब भोपाल से इन छोटे शहरों के लिए कोई प्राइवेट एयरलाइन कंपनी उड़ान सेवाएं देगी। केंद्र सरकार की क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) उड़ान-5.2 के तहत इन उड़ानों का संचालन होगा। स्प्रिट एयर के सीईओ कैप्टन सुबोध कुमार वर्मा ने बताया कि हर हफ्ते इन जगहों के लिए 8-8 फ्लाइट्स चलेंगी। कंपनी इन उड़ानों के लिए 8 सीटर वाले मल्टी इंजन टर्बोप्रोप एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल करेगी। इनमें दो क्रू मेंबर्स भी होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस दिवाली दिल्ली जाने के लिए फ्लाइट का किराया वंदे भारत एक्सप्रेस से सिर्फ एक हजार रुपये ज्यादा है। हालांकि, टिकट पहले से बुक कराने होंगे। मुंबई जाने वालों के लिए भी हवाई किराए में फिलहाल राहत है। ट्रेन के एसी-1 क्लास से 1300 रुपये अधिक देकर यात्री फ्लाइट से मुंबई की यात्रा कर सकते हैं।

हवाई क्षेत्र में प्राइस वॉर

ट्रेवल एजेंसियों का कहना है कि हवाई क्षेत्र में प्राइस वॉर चल रहा है। इसके कारण पिछले साल की तुलना में इस साल हवाई किराए में 20त्न तक की कमी देखी जा रही है। दिवाली से पहले के दिनों के लिए भोपाल से बेंगलुरु और हैदराबाद का हवाई किराया क्रमश- 5378 रुपये और 5903 रुपये है। यह पिछले साल की तुलना में 1500 से 2500 रुपये कम है।

छोटे शहरों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में मिलेगी मदद

यह नई हवाई सेवा मध्यप्रदेश के छोटे शहरों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्प्रिट एयर की इस पहल से उन यात्रियों को खासा फायदा होगा जो समय बचाना चाहते हैं और आरामदायक यात्रा करना चाहते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में दूसरे शहरों को भी इस योजना में कैसे शामिल किया जाता है और इसका क्या असर होता है।

चीता वायु और अग्नि की छलांग को देखेगा देश

अक्टूबर के अंत में चार चीते कूनो जंगल में होंगे आजाद

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अक्टूबर के आखिर में चरणबद्ध तरीके से मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में छोड़ने की शुरुआत की जाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अग्नि-वायु नाम के चीतों को सबसे पहले पालपुर पूर्वी रेंज में छोड़ा जाएगा।

जबकि प्रभास-पावक को जंगल के दूसरे हिस्से में छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि केवल नर चीतों को छोड़ने की स्थिति में बाड़े के पास भीड़ होगी और उनमें संघर्ष हो सकता है। वे मादा चीतों की तलाश में आएंगे। इसलिए जरूरी है कि नर के साथ मादा चीतों को भी छोड़ा जाए।

अधिकारियों ने बताया कि गांधीसागर वन्य जीव अभयारण्य भारत में चीतों का दूसरा घर होगा क्योंकि चीतों के नये झुंड का स्वागत करने के लिए यह तैयार है। उन्होंने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में कुल 20 चीते लाए गए हैं।

इनमें से आठ चीते सितंबर 2022 में नामीबिया से लाए गए जबकि 12 चीते फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से लाए गए। अधिकारियों ने बताया कि भारत लाए गए 20 चीतों में से आठ वयस्क चीतों (तीन मादा और पांच नर) की मौत हो गई। वहीं, भारत आने पर 17 शावकों का जन्म हुआ, जिनमें से 12 जीवित हैं। इस प्रकार कूनो में इस समय शावकों सहित कुल 24 चीते हैं।

लड्डू गोपाल के भोग को लेकर साध्वी के दावे को लोग मान रहे चमत्कार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। दतिया की रहने वाली साध्वी शिवांगी दीदी ने भोपाल पहुंचकर बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि भगवान लड्डू गोपाल श्री कृष्ण को जो भी भोग लगाया जाता है; वह अपने आप उनके मुंह में आ जाता है। उनका कहना है कि बीते 2 सालों से ऐसा हो रहा है। उन्होंने अपना मुंह खोलकर भी दिखाया कि अभी भगवान कान्हा जी को हलवे का भोग लगा है जो उनके मुंह में आ गया और उसमें काजू भी है। उनके इस दावे को कुछ लोग चमत्कार मान रहे हैं। साध्वी शिवांगी दीदी भगवान कृष्ण की भक्ति बचपन से ही कर रही हैं। वहीं भजन कीर्तन में शामिल होने पहुंचे भक्तों ने कहा कि शिवांगी दीदी के चमत्कार पर उन्हें पूरा भरोसा है। लोगों ने कहा कि हम अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हैं कि इस युग में यह चमत्कार देखने को मिला। शिवांगी दीदी ने कहा कि कथा करने का मन था थोड़ी पढ़ाई भी की लेकिन कान्हा जी ने मना कर दिया। उन्होंने कहा भक्ति करो। वहीं, साध्वी शिवांगी दीदी के साथ मौजूद सुनीता गोपी ने भी दावा किया कि रोजाना वे जब गीता पाठ करती हैं और भगवान के भजन करती हैं तो उनके हाथों में अपने आप माखन भोग आ जाता है। इसे वे खुद भी ग्रहण करती हैं और भक्तों को भी देती हैं। दोनों का ही कहना है कि यह साक्षात भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद है और उन्हीं का चमत्कार है।

तेजी से ठीक की जा रही सड़कें, फिर भी जनता नाराज!

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में मानसून लगभग विदा हो चुका है। इसके बाद अब प्रदेशभर में शासन सड़क सुधार के काम में लग गया है । इसी कड़ी में राजधानी की सभी सड़कों पर पैच वर्क भी किया जा रहा है। इसके अलावा राजधानी में रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली रोड का चौड़ीकरण भी बड़ी तेजी से हो रहा है। पुराने और नए भोपाल के बीच भोपाल रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली सड़क का चौड़ीकरण पूरा होने के बाद इधर लगने वाले ट्रैफिक जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी। इस काम में समय लगेगा और तब तक जनता को परेशानी का सामना करना पड़ेगा लेकिन एक बार सड़क चौड़ी हो गई तो तमाम परेशानियों से निजात भी मिलेगी। भारत टॉकीज और भोपाल रेलवे स्टेशन के पास की इस रोड़ में दो नई लेन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और इस रोड़ के बन जाने के बाद लोगों को घंटों ट्रैफिक में नहीं फंसना पड़ेगा।

विकास के साथ कुछ नुकसान भी

इस रोड़ का निर्माण बड़ी ही तेजी से हो रहा है पर इसको लेकर अलग-अलग तरह की समस्याएं निकलकर सामने आई हैं। जैसे दुकानदार श्याम बाबू उपाध्याय ने बताया कि, उनका पूरा धंधा चौपट हो गया है क्योंकि रोड पर अभी आने-जाने की व्यवस्था नहीं है। इस वजह बिक्री बिल्कुल भी नहीं हो रही है। वे जितना माल खरीदते हैं, सब रखा हुआ है बिलकुल खपत नहीं है। 42 साल से वे यह काम कर रहे हैं पर उनकी परेशानी की कोई सुनवाई नहीं है।

घटिया निर्माण कार्य का आरोप

कुछ लोगों ने इस रोड के चौड़ीकरण के काम में जल्दबाजी के कारण घटिया निर्माण कार्य का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि अगर कोई काम हड़बड़ी में होगा तो फिर यह तो पक्का है कि क्वालिटी खराब रहेगी। एक और दुकानदार ने बताया कि, सड़क के नीचे बेस में बिछाए लोहे के रॉड अभी से हिलने लगे हैं। उन्होंने इस बात को कैमरे के सामने भी दिखाया और आरोप लगाया की, बेकार निर्माण हो रहा है, यहां तक की रोड पर पानी भी ढंग से नहीं डाला जा रहा है।

सम्पादकीय

राजनीतिक विद्रूपता के लिए मतदाता भी जिम्मेदार

जब कहते हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा होने का गौरव रखते हैं, तो यही बड़प्पन हमारे लोकतांत्रिक व्यवहार में दिखायी देना चाहिए। हमें अपने बेशकीमती वोट के दायित्व का बोध भी होना चाहिए। उसकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र पर दागी और धनाढ्य लोगों का वर्चस्व स्थापित न हो। हम ध्यान रखें कि जब करोड़पतियों के हाथ में सत्ता की बागडोर आती है तो उनकी संपत्ति अगले चुनाव तक दिन दूनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है।

राजनीति में धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनप्रतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता। आर्थिक आंकड़ों से खेलने वाली एक पूरी बिरादरी स्याह को श्वेत बनाने के खेल में पारंगत होती है। फिर करोड़पति की कोई सीमा नहीं कि उसकी संपत्ति कितने करोड़ों में है। रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिए मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिए भी आत्ममंथन का समय है कि प्रत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जिताने लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी-बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता प्रत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन-सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिए कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। बहरहाल, करोड़पतियों के जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वर्चस्व का एक निष्कर्ष साफ है कि आम आदमी के लिये चुनाव लड़ना अब दूर की कौड़ी बन गई है। यह कथन अब किताबों तक सीमित रह गया है कि जनतंत्र जनता द्वारा , जनता का और जनता के लिए होता है। कहा जाता है कि आजादी के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान का एक विधायक ऐसा भी था, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये टिकट के पैसे तक नहीं थे। तब लोगों ने उनकी मदद की। बहरहाल, हमें स्वीकार करना होगा कि भले ही राजनीति में अब धनबल व बाहुबल अपरिहार्य हो, लेकिन इस स्थिति के लिए जनमानस भी कम जिम्मेदार नहीं है। हम सोचें कि क्षेत्रवाद,संप्रदायवाद, जातिवाद और छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिए हम ऐसे प्रत्याशियों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों भेज देते हैं, जो वहां जाने लायक ही नहीं होते। हमें यह भी सोचना होगा कि मुफ्त की रेवड़ियों के अलावा चंद रुपयों व सुरा के लिए सुर बदलने वाले लोग कौन हैं? कहीं न कहीं यह हमारे सामाजिक मूल्यों के पराभव का प्रमाण भी है। जब कहते हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा होने का गौरव रखते हैं, तो यही बड़प्पन हमारे लोकतांत्रिक व्यवहार में दिखायी देना चाहिए। हमें अपने बेशकीमती वोट के दायित्व का बोध भी होना चाहिए। उसकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र पर दागी और धनाढ्य लोगों का वर्चस्व स्थापित न हो। हम ध्यान रखें कि जब करोड़पतियों के हाथ में सत्ता की बागडोर आती है तो उनकी संपत्ति अगले चुनाव तक दिन दूनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है। ऐसे जनप्रतिनिधियों का लक्ष्य अपने लिए ही नहीं बल्कि आने वाली सात पीढ़ियों के लिये धन-संपदा जुटाना होता है।

बांग्लादेश में सख्त कार्रवाई की दरकार

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गए, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है।

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफे के लिए दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिंता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षड्यंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गई तो फिर कब बरती जाएगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अंतर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गए, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छशक्ति सवालों के घेरे में है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है।

बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है। लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर आमार सोनार बांग्ला (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती हैं, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें कीं। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर जजिया यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी।

पुलिस-प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की

पुलिस-प्रशासन की नाकामी से ही यूपी के बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हिंसा होने का कोई भी इनपुट नहीं था। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खुफिया तंत्र फेल रहा। पूरे घटनाक्रम में एडीजी जोन से लेकर आईजी और एसपी बहराइच सवालों के घेरे में हैं।

हर साल प्रतिमा विसर्जन होता है, जिसमें डीजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है। ऐसे में पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी थी कि वे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते। क्योंकि यात्रा का रूट पहले से ही तय होता है। लेकिन, बहराइच पुलिस और प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यही वजह है कि जब बवाल शुरू हुआ तो पुलिस बल नाकाफी साबित हुआ। उपद्रवी हावी हो गए। उन्होंने जो चाहा वही किया। गोपाल को घर के भीतर खींच ले गए। पीटा, बर्बरता की और फिर गोली भी मार दी। उसे बचाने पुलिस नहीं आ सकी। रविवार को पहले दिन हिंसा के बाद मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया था। उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए थे। अफसरों ने दावा किया था कि अब सुरक्षा के पूरे इंतजाम कर लिए गए हैं। लेकिन सोमवार सुबह जब रामगोपाल का शव घर पहुंचा तो उसके बाद कई घंटे तक गांवों और कस्बों में तोड़फोड़, आगजनी और अराजकता होती रही। दोपहर बाद जब एडीजी एलओ ने मोर्चा संभाला तब जाकर कुछ माहौल शांत हुआ। सवाल है कि आखिर पहले दिन हिंसा के बाद दूसरे दिन लापरवाही क्यों बरती गई? पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती क्यों नहीं की गई? ऐसे तमाम सवाल पुलिस पर उठ रहे हैं।

त्योहार से पहले सीएम ने वीसी की थी, जिसमें जोन, रेंज और जिला कप्तान शामिल हुए थे। विसर्जन पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन हिंसा ने आदेश-निर्देश की धज्जी उड़ा दी। अफसरों की लापरवाही और नाकामी हावी रही। भीड़ का आक्रोश बेहड़ा में भी देखने को मिला, जहां नाई की दुकान समेत तीन गुमटियों को पलट दिया। यही नहीं, गुमटियों में आगजनी भी की। आगजनी और हिंसा के बीच जिले के खैरीघाट थाना प्रभारी की बड़ी लापरवाही देखने को मिली। इस कारण उपद्रवियों ने मस्जिद गेट पर लगे दो गुंबदों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान शिवपुर बाजार में भी लोग जमा हुए। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंचने से कोई अप्रिय घटना नहीं हो सकी। प्रदर्शन स्थल व रेहुआ गांव में भारी पुलिस फोर्स तैनात है। पीएसी के जवान भी स्थिति से निपटने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन समय बढ़ने के साथ ही तनाव बढ़ रहा है। सैकड़ों की संख्या में मौजूद युवा हाथों में लाठी-डंडा लेकर नारेबाजी करते हुए सड़कों पर घूमते रहे। बवाल के दर्जनों वीडियो सामने आए, जिनमें अराजक भीड़ लाठी-डंडे लेकर दौड़ती नजर आई। साथ में पुलिसकर्मी भी मौजूद दिखे। भीड़ एक तरफ गाड़ियां तोड़ती रही, आगजनी करती रही और पुलिस वाले लाचार बने खड़े रहे। उनकी हिम्मत नहीं हो पा रही थी कि वह उपद्रवियों को रोक सकें। यह इसलिए क्योंकि लीड करने वाला कोई अफसर ही नहीं था।

सोमवार सुबह करीब छह से सात बजे के बीच रामगोपाल के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया। लेकिन शव रेहुवा गांव पहुंचते ही स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पूरा गांव पुलिस व प्रशासन के विरुद्ध लामबंद हो गया। पुलिस व प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान लोगों को समझाकर दाह संस्कार करवाने पहुंचे तहसीलदार को लोगों ने खदेड़ दिया। वह किसी तरह से वहां से निकले। दोपहर बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए किसी तरह से राजी हुए। महसी के महराजगंज कस्बे में प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई पत्थरबाजी व गोलीकांड की आग धीरे-धीरे पूरे जिले में फैलती गई। सोमवार सुबह से जिले में डर व दहशत का माहौल रहा। शहर की मुख्य बाजार घंटाघर से पीपल तिराहे तक की दुकानें बंद रहीं। महराजगंज कस्बे में सुबह से ही सन्नाटा रहा। सिर्फ पुलिसकर्मी ही नजर आए। दहशत के बीच लोग अपने घरों में कैद रहे और बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं। विवाद का असर शिवपुर विकासखंड की बजारों में भी देखने को मिला। पूरे शिवपुर में बंदी रही। इस दौरान जगह-जगह प्रदर्शन होता रहा। खैरीघाट, भगवानपुर चौराहा, राजी चौराहा व महसी में भी बजार बंद रहे। दूसरे समुदाय के जिन घरों और दुकानों पर भीड़ ने सोमवार को धावा बोला व आगजनी की वहां पर लोग नहीं थे। अगर उनकी मौजूदगी होती तो बहुत बड़ी घटना हो सकती थी। साफ है कि उन लोगों को आशंका थी कि सोमवार को बवाल बढ़ सकता है। इसलिए वे घर और दुकान खाली कर सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। कुछ लोगों को पुलिस ने भी बचा लिया।

महसी तहसील के महराजगंज में सांप्रदायिक हिंसा भड़कने के बाद सोमवार को महराजगंज के लगभग सभी व शहर के कुछ स्कूलों को बंद कर दिया गया। महसी के खंड शिक्षाधिकारी रामतिलक वर्मा ने बताया कि जरूरत के अनुसार फोर्स को स्कूलों में रोका गया है। सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों में छुट्टी की गई है। जरूरत पड़ी तो ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन कराया जाएगा। अभी हमारी प्राथमिकता सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करना है। महसी के महराजगंज में दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रतिमाओं पर पत्थरबाजी की गईं। वहीं घर में ले जाकर रेहुआ मंसूर निवासी राम गोपाल मिश्रा के साथ बर्बरता करते हुए गोली मार कर हत्या कर दी गई। जिसके बाद जिले में हिंसा फैल गई और लगातार जारी है।

घटना के बाद पुलिस भी हरकत में आई है और छह नामजद समेत 10 लोगों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही सोमवार को पुलिस ने डैमेज कंट्रोल करते हुए 26 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। क्षेत्र में अभी भी भारी तनाव को स्थिति है और पड़ोसी जिलों के साथ साथ कई थानों की पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवान मौके पर तैनात है। बहराइच की महसी तहसील के महराजगंज कस्बे में रविवार शाम को गाने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया तो दूसरे समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24) को घर के अंदर घसीट ले गए और गोली मार दी। उसे बचाने पहुंचे राजन (28) भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया।

राजनीति में धनबल, बाहुबल और आपराधिक पृष्ठभूमिः भारतीय लोकतंत्र की चुनौती

भारतीय लोकतंत्र, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, आज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। एक समय था जब राजनीति समाज सेवा का माध्यम हुआ करती थी, और आम आदमी के लिए यह एक सम्मानजनक पेशा माना जाता था। परंतु आज की स्थिति बिलकुल अलग है। धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की राजनीति में सक्रिय भागीदारी भारतीय लोकतंत्र की नई वास्तविकता बन गई है।

हरियाणा चुनाव और रिपोर्ट की चौंकाने वाली सच्चाई

हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों की एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर से सुर्खियों में ला दिया। इस रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 96त्न विधायक करोड़पति हैं। यह आँकड़ा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। करोड़पतियों के साथ ही, लगभग 13त्न विधायकों की आपराधिक पृष्ठभूमि है, जिनमें से कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। यह स्थिति केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है। देश के लगभग हर राज्य और केंद्र में ऐसे नेता हैं जो धनबल और बाहुबल के दम पर राजनीति कर रहे हैं। इन नेताओं का राजनीति में प्रवेश न केवल जनतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है, बल्कि जनता के प्रति उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर भी सवाल खड़े करता है।

राजनीति में धनबल और बाहुबल का प्रभाव धन और बाहुबल का राजनीति में प्रभाव अब इतना बढ़ चुका है कि आम आदमी के लिए चुनाव लड़ना और जीतना लगभग असंभव सा हो गया है। पहले, राजनीति में प्रवेश करना और चुनाव लड़ना एक साधारण व्यक्ति के लिए भी संभव था, लेकिन अब चुनावी प्रक्रिया इतनी महंगी हो चुकी है कि बिना धन के चुनाव में सफल होना मुश्किल है।

राजनीति में धन का प्रवेश केवल एक नैतिक सवाल नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर भी प्रभाव डालता है। जब करोड़पति और बाहुबली सत्ता में आते हैं, तो उनका मुख्य उद्देश्य अपनी संपत्ति बढ़ाना और अपने प्रभाव को मजबूत करना होता है। वे जनता की भलाई से ज्यादा अपने स्वार्थ को महत्व देते हैं।

इस स्थिति का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि राजनीति में ईमानदारी और पारदर्शिता की कमी होती है। भ्रष्टाचार बढ़ता है, और नीतियाँ उन लोगों के पक्ष में बनाई जाती हैं जो सत्ता में बैठे लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

मतदाताओं की जिम्मेदारी

धनबल और बाहुबल का प्रभाव केवल नेताओं तक सीमित नहीं है। इसके लिए मतदाताओं को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जब मतदाता छोटे-छोटे प्रलोभनों के कारण अपने वोट का दुरुपयोग करते हैं, तो वे अनजाने में उस राजनीतिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं जिससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है।

यह सच है कि हर चुनाव में बड़े राजनीतिक दल अपने-अपने तरीकों से शुचिता की बात करते हैं, लेकिन हकीकत में ऐसा कम ही देखने को मिलता है। चुनावी प्रक्रिया में धनबल और बाहुबल की भूमिका को खत्म करने के लिए, मतदाताओं को भी जागरूक होना पड़ेगा।

मतदाता यदि अपने विवेक से काम लें और केवल उन्हीं उम्मीदवारों को चुने जो वास्तव में जनहित में काम कर सकते हैं, तो राजनीति में सुधार संभव है।

लोकतंत्र की दिशा यदि भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, तो हमें राजनीति से धनबल, बाहुबल और अपराधियों का वर्चस्व खत्म करना होगा। इसके लिए एक सशक्त चुनावी सुधार की आवश्यकता है, जिसमें चुनाव लड़ने की लागत को कम किया जाए, और अपराधियों को राजनीति में प्रवेश करने से रोका जाए।साथ ही, जनता को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यदि हम अपने बेशकीमती वोट का सही इस्तेमाल करें और केवल उन्हीं नेताओं को चुनें जो वास्तव में जनहित में काम कर सकते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र को उसकी सही दिशा में ले जाना संभव है। यह समय आत्ममंथन का है। यदि हम इस दिशा में सही कदम नहीं उठाते, तो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर धनबल और बाहुबल का काला साया हमेशा मंडराता रहेगा, और हमारे सपनों का भारत केवल एक कल्पना बनकर रह जाएगा।

(राजीव खरे राष्ट्रीय उप संपादक)

लालबर्रा पुलिस ने फरार सटोरिये को किया गिरफ्तार

संगठित अपराध के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर भेजा जेल

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ ।
लालबर्रा, पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेंद्र सिंह (भा.पु.से.) द्वारा थाना क्षेत्रों मे किसी भी प्रकार की जुआ,सट्टा एवं अवैध शराब सहित अन्य अवैध गतिविधियों पर शख्त कार्यवाही हेतु समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है,निर्देश के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डाबर के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वारासिवनीअभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन मे थाना लालबर्रा पुलिस ने 02 सटोरियों के विरूद्ध कडी कार्यवाही कर जेल भेजा है ।

दिनांक 09.10.2024 को ग्राम मोहगांव से पैसों का हार जीत का दाव लगाकर सट्टा खेलने की विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई।थाना प्रभारी लालबर्रा एवं टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर आरोपी घनश्याम बीरनवार को घेराबंदी कर पुलिस हिरासत मे लिया।आरोपी ने पुलिस पूछताछ मे पप्पू नागपूरे को सट्टे का हिसाब देना तथा साथ मिलकर सट्टा खिलाना बताया।आरोपी घनश्याम से हिसाब की सट्टा पट्टी तथा घटना मे प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर दिनांक 10.10.24 को मान न्यायालय पेश कर जेल निरूद्ध किया गया जबकि आरोपी पप्पू नागपुरे घटना दिनांक से फरार चल रहा था जिसे आज दिनांक 15.10.24 को थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।आरोपी से गहन पूछताछ उपरांत मान न्यायालय पेश कर जेल निरूद्ध किया गया है ।

जिसमें थाना लालबर्रा मे धारा 4 क पब्लिक गैंब्लिंग एक्ट एवं 112 ,49 बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया गया जिसमें घनश्याम बिरनवार पिता अमरलाल बिरनवार निवासी मोहगांव धपेरा थाना लालबर्रा

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैण्ड कंजई द्वारा 44 वां सफलतम आयोजन संपन्न

भजन कीर्तन,हवन पूजन,भंडारा,देवीजागरण एवं कलश शोभा यात्रा के साथ आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ ।
लालबर्रा, जनपद अंतर्गत ग्राम कंजई में नवयुवक शक्ति सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति कंजई द्वारा 44 वां सफलतम आयोजन बड़ी ही श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 3 अक्टूबर दिन गुरुवार को बस स्टैण्ड स्थित सार्वजनिक दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना के बाद सभी दिवस ग्रामीण जनों द्वारा बड़े श्रद्धा,विश्वास एवं आस्था के साथ सुबह-शाम मां दुर्गा की संगीतमय आरती के साथ विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई इस दौरान पूरे ग्राम में भक्तिमय माहौल देखने मिला।समित सदस्य गुड्डू श्रीवास ने बताया कि दुर्गा अष्टमी के दिन शुक्रवार को शाम 7.00 बजे विधिवत् हवन पूजन एवं आरती के पश्चात समिति सदस्य एवं पूर्व सरपंच अधिवक्ता बालकृष्ण बिसेन तथा समिति सदस्य गुड्डू श्रीवास एवं उनके परिवारजनों द्वारा दुर्गा पंडाल प्रांगण में सार्वजनिक भंडारे का आयोजन किया गया जिसका सभी ग्राम वासियों ने पुण्य लाभ लेकर मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।इसी कड़ी में शनिवार के दिन असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक पर्व विजयादशमी के अवसर ग्राम में श्रीराम,लक्ष्मण व हनुमानजी की शोभायात्रा निकाल कर बस स्टैण्ड स्थित बाजार चौक मैदान में लगभग 25 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया इस दौरान आकर्षक आतिशबाजी भी की गई इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण नागरिक मौजूद रहे इसके कुछ समय बाद इस अवसर पर मां आदिशक्ति जागरण म्यूजिक ग्रुप,लालबर्रा के गायक संदीप सेन और उनके साथियों द्वारा मां गायत्री शक्तिपीठ प्रांगण में अपनी प्रस्तुति दी गई जिसका उपस्थित श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया।इसके बाद रविवार 13 अक्टूबर के दिन पूरे ग्राम में कलश शोभा यात्रा के साथ मां दुर्गा प्रतिमा का विधिवत् विसर्जन आखर तालाब में किया गया।इस आयोजन में समिति सदस्य अधिवक्ता बालकृष्ण बिसेन,ग्राम सरपंच अधि.आनंद बिसेन,टेकलाल पटले,गुड्डू श्रीवास,राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, डॉ हुकुमचंद ठाकरे,होलुराम पंचेश्वर,साहेबलाल पटले,राहुल पटले का विशेष योगदान रहा।

पनवाड़ी विवाद में पुलिस कार्रवाई पर पक्षपात का आरोप

बंजारा समाज ने पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, सुनेरा थाना क्षेत्र के ग्राम पनवाड़ी में पाटीदार और बंजारा समाज के लोगों के बीच हुए विवाद के मामले में हुई पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यही कारण है कि बड़ी संख्या में बंजारा समाज के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई में पक्षपात करने का आरोप लगाया। बंजारा समाज के लोगों ने बताया कि पनवाड़ी में पाटीदार समाज के लोगों ने बंजारा समाज के लोगों के साथ मारपीट की। घरों में घूसकर तोड़फोड़ करने के साथ ही दुकानों और वाहनों में पुलिस के सामने आग लगा दी, लेकिन बावजूद इसके पुलिस ने राजनीतिक दबाव के चलते पक्षपात कर आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई नही की। जबकि बंजारा समाज के लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर लिए गए। बंजारा समाज के लोग घटना में घायल हुए हैं, किंतु उनकी एफआईआर नही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

शाजापुर में चला रहे पश्चिम बंगाल का राज बंजारा समाज के लोग बड़ी संख्या में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और आरोप लगाया कि शाजापुर में प्रशासन पश्चिम बंगाल की तरह का राज चला रहा है। यहां पुलिस महकमा एक सत्ताधारी नेता के पक्ष में बंजारा समाज के लोगों की सुनवाई नही कर रहा है। जबकि पुलिस के सामने पनवाड़ी में आरोपियों ने वाहनों और दुकानों को हवाले किया। वहीं बंजारा समाज के लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। बंजारा समाज की महिलाओं को देररात तक थाने में बैठाया गया और इसके बाद बिना उनकी सुनवाई किए लौटा दिया गया। हालांकि इस मामले में पुलिस अधीक्षक का कहना था कि दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमें दर्ज हुए हैं। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले में जांच कराकर उपद्रव करने वाले अन्य लोगों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। ज्ञापन में दोषियों पर कार्रवाई नही किए जाने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी गई है।

जनसुनवाई में 84 आवेदन प्राप्त

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 84 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कलेक्टर ऋजु बाफना ने की। इस दौरान अपर कलेक्टर भुरलासिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले ने भी जनसुनवाई में उपस्थित आवेदकों की समस्याएं सुनी।

पश्चिम बंगाल की दिमागी रूप से अस्वस्थ महिला पहुंची अनूपपुर

प्रशासन की सजगता से मिला महिला को बिछड़ा परिवार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद कुमार परस्ते द्वारा जानकारी दी गई है कि 19 सितम्बर 2024 को दूरभाष के माध्यम से नगरपालिका अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 12 के निवासी श्री प्रभात कुमार परस्ते द्वारा सूचना दी गई की एक महिला वार्ड क्रमांक 12 की आंगनबाड़ी के सामने शिव मंदिर के प्रांगण में बैठी है, जो सामान्य नहीं लग रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा के नेतृत्व में वन स्टॉप सेन्टर की टीम द्वारा महिला को रेस्क्यू कर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में प्राथमिक उपचार हेतु भर्ती कराया गया। इसके पश्चात् जिला चिकित्सालय अनूपपुर से 20 सितम्बर 2024 को डिस्चार्ज के उपरांत वन स्टॉप सेंटर में प्रवेश कराया गया तथा महिला के पतासाजी हेतु काउंसलिंग की गई। महिला बांग्ला भाषा बोल रही थी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अनूपपुर में कार्यरत श्री संजय विश्वास एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा विश्वास द्वारा महिला की काउंसलिंग की गई। जिसमें प्राथमिक रूप से यह पता चला कि महिला का नाम श्रीमती रायमुनी (महेश्वरी मुर्मू) है, जो ग्राम विचित्रपुर पोस्ट कुकई थाना केशयारी जिला पश्चिम मिदिनापुर (पश्चिम बंगाल) की निवासी है। वन स्टॉप सेंटर के स्टाफ द्वारा उपरोक्त पते पर पतासाजी की गई। जिससे पता चला कि महिला के पति का नाम श्री निसीकान्तो है एवं उनकी दो बेटियां हैं। वन स्टॉप सेन्टर की काउंसलर द्वारा केश्यारी थाना प्रभारी उदयशंकर मंडल से संपर्क कर उनके सहयोग से महिला से संबंधित अन्य जानकारी प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी उपरांत महिला के पति निसीकान्तो एवं बड़ी बेटी से बात की गई। तत्पश्चात् 9 अक्टूबर 2024 को महिला को पुनर्वासित किए जाने हेतु टीम गठित की गई। टीम में महिला एवं बाल विकास विभाग के विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री अशोक त्रिपाठी, महिला आरक्षक सुश्री शिवानी पाण्डेय एवं वन स्टॉप सेन्टर के केस वर्कर श्रीमती उर्मिला विश्वकर्मा की ड्यिूटी लगाई। यह टीम 11 अक्टूबर 2024 को पश्चिम बंगाल जाने हेतु रवाना हुए एवं 12 अक्टूबर 2024 को हीजली स्टेशन पश्चिम बंगाल पहुंचकर महिला रायमुनि को शक्ति सदन अधीक्षक (पश्चिम बंगाल) को सुपुर्द किया गया। महिला के अन्य राज्य, अन्य भाषी और दिमागी रूप से पूर्णत: स्वस्थ न होने के बावजूद बहुत कम समय में महिला को उसके परिवार में पुनर्वासित करने के इस पुनीत कार्य के लिए जिला पश्चिम मिदिनापुर (पश्चिम बंगाल) के वन स्टॉप सेंटर के अधिकारियों ने कार्य की सराहना करते हुए प्रशासन का आभार जताया है।

क्या बलराज की मौत के रहस्य से प्रशासन हटा पाएगी पर्दा या नोटो के वजन के नीचे दब के रह जायेगा मौत का राज

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, अनुपपुर आज बलराज की मौत को लगभग 15 दिन बीत चुके हैं , और इन दिनों में सिर्फ और सिर्फ कुछ मिला है तो वो है सिर्फ सवाल ? इन सवालों में कई लोगों की भूमिकाएं भी संदिग्ध है जैसे बलराज के साथी ड्राइवर भाईयो के बयान में जो रामू नाम आ रहा था उसका पता क्यों नहीं लगाया गया यहां पुलिस की भूमिका संदिग्ध है अभिषेक गुप्ता बलराज की हत्या के दूसरे दिन से ही क्यों बाहर गया और उसका फोन क्यों बंद था यहां अभिषेक की भूमिका संदिग्ध है एंबुलेंस ड्राइवर को बलराज ने मारपीट की घटना के बारे में बताया तो ड्राइवर ने पुलिस को उसकी जानकारी क्यों नहीं दी यहां एंबुलेंस ड्राइवर की भूमिका संदिग्ध है , पोस्टमार्टम में बलराज को सिर पर चोट के निशान लगने की बात सामने आई पर पुलिस ने इसको गंभीरता से क्यों नहीं लिया यहां एक बार फिर पुलिस की भूमिका संदिग्ध है ।।अब हम बात करते है कि क्या जानबूझ कर सी सी टीवी कैमरे तोड़े या निकाले गए , क्या बलराज के साथी ड्राइवर जिस रामू का नाम मीडिया के सामने ले रहे थे ,उसके साथ कोई ऐसा रसूखदार इंसान था जिसको बचाने के लिए रामू का जिक्र भी दुबारा कही नहीं हुआ क्या शराब के नशे में इन रसूखदारों ने बलराज की जान ले ली , और क्या पुलिस ने इन रसूखदारों के सत्ता पक्ष में अच्छी पकड़ होने और पैसों के पावर से डर कर जॉच के इन संधिग्ध पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया , और क्या ये हत्या अगर बलराज की बजाय किसी बड़े रसूक दार की होती तो इसी तरह जांच होती और किसी प्रकार का कोई सुराग हाथ नहीं लगता। फिलहाल 15 दिन बीत जाने के बाद भी इस मौत के जिम्मेदार आजाद है और बलराज यही इन्हीं रास्तों पर अपने लिए इंसाफ की राह देख रहा है कि कब कोई मेरी मौत के इस राज से पर्दा हटाएगा और कब मुझे इंसाफ मिलेगा अगले अंक में बलराज की मौत से जुड़ी और भी कुछ जानकारियां आपसे साझा करेंगे और कोशिश करेंगे कि बलराज को इंसाफ जल्द से जल्द मिले।

देरी से पहुंचे पटवारी ने पुलिस की मौजूदगी में हटवाया सरकारी भूमि से अतिक्रमण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को पुलिस बल की मौजूदगी में हटाने की कार्रवाई की गई। शाजापुर के समीपस्थ ग्राम नैनावद में शासकीय भूमि पर वर्षों से किए गए अतिक्रमण को पुलिस की मौजूदगी में हटाया गया। दरअसल गांव की कई बीघा सरकारी भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध ढंग से कब्जा किया हुआ था, जिसकी गांव के युवक आदित्य शर्मा के द्वारा निरंतर प्रशासन से शिकायत की जा रही थी। मामले में जांच के बाद भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर गिरधावर और पटवारी ने पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया और अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर पंचायत को कब्जा दिलाया गया। उक्त भूमि पर गोशाला बनाए जाने की योजना है।

पुलिस को कराया घंटों इंतजार
ग्राम नैनावद में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाने को लेकर आदित्य शर्मा ने प्रशासन को बारबार शिकायत की। वहीं मंगलवार को अतिक्रमण हटाने का फैसला लिया गया, लेकिन यहां अतिक्रमण हटाने से पहले पटवारी और गिरधावर ने पुलिस को घंटों इंतजार कराया। अतिक्रमण हटाने की सूचना पर पुलिसबल मौके पर जा पहुंचा था, लेकिन पटवारी नदारद थे जिसकी वजह से पुलिस को घंटों इंतजार करना पड़ा। ग्रामीणों के द्वारा बारबार फोन करने पर दोपहर करीब 2 बजे पटवारी मौके पर पहुंचे और इसके बाद अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।

40 फिट ऊंचे रावण का हुआ दहन

सामाजिक कार्यकर्ता राजा खान रहे रावण कमेटी के अध्यक्ष

अनूपपुर, जिले के नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 4 स्थित बापू चौक के समीप रावण दहन का कार्यक्रम रखा गया रहा था जिसमें दशहरे कमेटी के अध्यक्ष के रूप में स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता राजा खान रहे है, इनके द्वारा हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग एक साथ मिलकर दशहरे और दुर्गा उत्सव सहित कृष्ण जन्माष्टमी भी एक साथ मिलकर मानते है। लगभग 10:30 बजे रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न करावा गया, दशहरे कार्यक्रम में सैकड़ो लोग रावण देखने में एकत्रित रहे ।
40 फीट ऊंचे रावण का हुआ दहन- अमलाई बापू चौक में दशहरे कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजा खान द्वारा सहयोग किया गया है इसके पहले भी उनके द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी तथा 15 अगस्त कार्यक्रम के दौरान बच्चों को भरपूर सहयोग प्रदान किया है, आसपास के क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता राजा खान का भरपूर सहयोग रहता है, सामाजिक कार्य हो या फिर खेलकूद उनका बराबर सहयोग रहता है, ऐसे कार्यों के लिए वह हरदम आगे रहते हैं लोगों की मदद करना ही सबसे पुण्य का काम होता है जिसके लिए वह हरदम तैयार रहते हैं द्य निष्ठा भाव से सहयोग करना ही सबसे पुण्य का काम है जो राजा खान हरदम करते रहते हैं

उत्कृष्ट कार्य के लिये मुख्यमंत्री ने विनय पांडे को किया सम्मानित

पार्षद समाजसेवी पवन चीनी मित्रमंडली ने दी बधाई

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, मध्य प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार,भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 को लॉन्च किया। सीएम ने इस अवसर पर म.प्र. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के उप निदेशक एवं संपदा 2.0 परियोजना प्रभारी विनय पाण्डेय एवं टीम के अन्य सदस्यों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मनित कर इस कार्य में जुटी समस्त टेक टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिये बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उत्कृष्ट कार्यों पर सीएम के हाथों दो बार हो चुके सम्मानित-
शहडोल संभाग का नाम रोशन करने वाले विनय पांडे अनूपपुर जिले के छोटे से जगह नगर परिषद बरगवां अमलाई के सोडा फैक्ट्री के रहने वाले हैं लेकिन अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिए सेवा के दौरान दो बार मध्य प्रदेश के सीएम के हाथों सम्मानित हो चुके हैं जो बहुत ही गर्व की बात है ज्ञात हो की लाडली लक्ष्मी योजना के समय भी तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा और अब डॉक्टर मोहन यादव के द्वारा दो बार सम्मानित हो चुके हैं इस कार्य के लिए पूरे क्षेत्र गोर्बान्वित करने का विषय भी माना जाता है जिससे नगर परिषद बरगवां अमलाई के पार्षद समाजसेवी पवन चीनी मित्र मंडली के सभी साथियों ने दिल से शुभकामनाएं प्रेषित की है निश्चित रूप से अनूपपुर जिला हो या शहडोल, उमरिया एक पहचान क्षेत्र की बनती है जहां का कोई कर्मचारी प्रदेश के विभिन्न टेक्निकल कार्यों में अपनी सहभागिता प्रदान करते हुए एक छाप छोड़ते हैं , और उसका श्रेय पूरे संभाग के ऊपर जाता है निश्चित ही ऐसे कार्यों के लिए हमारा प्रदेश आगे बढ़ता रहे।

रविदास मंदिर में निर्माण को लेकर हुई मारपीट में कई घायल

15 लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर । देवबंद, कोतवाली क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर में रविदास मंदिर पर निर्माण कार्य कराने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर गांव में स्थित रविदास मंदिर में निर्माण कार्य कराने को लेकर गांव के ही दो पक्ष आमने-सामने आ गए। पुलिस ने चतरसैन, कुलदीप, तेजपाल, कोशिक, जोनेश एवं दूसरे पक्ष के रितिक, अंकुल कुमार, प्रद्युमन, अंकुश, अंकुल, सुंदर, रिक्की, शुभम, टिंकू, सुरेंद्र को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है।

अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई

हादसे में कार चालक व्यापारी की हुई मौत, दो हुए गंभीर रूप से घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

छुटमलपुर । सहारनपुर, कस्बे में स्टेट बैंक के सामने बीती रात अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार चालक व्यापारी की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार

अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार चालक गारमेंट्स व्यापारी कस्बे की पंजाबी कॉलोनी निवासी आयुष सेठ (27) पुत्र प्रेम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। फतेहपुर के राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन की प्रभारी अधीक्षिका मंशा रानी का बेटा आयुष अपने दो दोस्तों रितिक पुत्र रविंद्र निवासी हलवाना और हमजा पुत्र शमीम निवासी फतेहपुर के साथ रात करीब दो-

ढाई बजे कहीं से लौटा था। वह हमजा को छोड़ने फतेहपुर जा रहा था, जैसे ही उसकी कार देहरादून रोड पर एसबीआई के सामने पहुंची तो अचानक चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कार ब्रेक लगने के बाद सहारनपुर की तरफ घूम गई और वह सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। हादसे में आयुष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके दोनों साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया।आयुष के पिता की मौत हो चुकी है। वह अविवाहित था और कस्बे में गारमेंटस की दुकान करता था।

अमरकंटक पुलिस की बड़ी कार्यवाही 26 पेटी अवैध शराब एक ऑटो, एक फ्रीजर, 4.5 लाख का सामान जब्त

26 पेटी अवैध शराब, एक ऑटो, एक फ्रीजर, 4.5 लाख का सामान जब्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, जिले के अमरकंटक थाना अंतर्गत पोंड़की में एक व्यक्ति ऑटो में शराब लेकर विक्रय करने के लिए अपने घर तरफ जाने वाला है, सूचना पर थाना अमरकंटक पुलिस स्टाफ द्वारा सूझ बूझ से घेराबंदी कर एक ऑटो रोका गया जो ऑटो चालक सुपेत सिंह पिता बलदेव सिहं उम्र 32 वर्ष तथा परमेश्वर सिंह पिता मान सिंह उम्र 26 वर्ष दोनो निवासी बिजौरी थाना अमरकंटक के निवासी हैं, ऑटो चेक करने पर अवैध रूप से देशी मदिरा तथा अंग्रेजी शराब रखकर ले जाना पाया गया। शराब के संबंध में कोई वैध नही मिला। जिसमे गोवा विस्की, प्लेन मदिरा, सिग्नेचर, ओल्ड मंक आदि इस प्रकार कुल 218 नग कुल 63 ली. कुल कीमती 33890/- रू. व ऑटो कीमती 300000/- रू. को जप्त किया गया। जिस पर अपराध क्रमांक 170/24 धारा 34(2) आब.अधि. 1915 का पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। वही दूसरे मामले में रवि बंजारा पिता मुन्ना बंजारा निवासी पोंड़की के द्वारा अपने घर में अवैध शराब विक्रय करने के लिए रखा था सूचना पर छापामार कार्यवाही की गई जो उपरोक्त आरोपी के घर

के कमरे में देशी मसाला, गोवा विस्की व कार्टून में अनेक प्रकार के अंग्रेजी शराब कुल 147 लीटर कुल शराब कीमत 102175 /- रू. एवं फ्रीज 10000/- रू. को जप्त किया गया जिस पर अपराध क्रमांक 171/24 धारा 34(2) आब.अधि. 1915 का पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

मैहर में चल समारोह के दौरान नशे में धुत था आरोपी अरुण चौरसिया

भाजपा नेता ने पुलिसकर्मी को जड़े थप्पड़, आरोपी पार्षद पति को ले जाती पुलिस

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, मैहर में दुर्गा प्रतिमा चल समारोह के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी से भाजपा पार्षद के भाजपा नेता पति व उसके साथियों ने मारपीट की। भाजपा नेता ने सरेराह सबसे सामने आरक्षक पर थप्पड़ भी जड़ दिए। उसके साथ रहे तीन अन्य लोगों ने भी मारपीट की। घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात 1 बजे की है। मारपीट का वीडियो सोमवार को वायरल हुआ जिससे पुलिस की बड़ी किरकिरी हुई। देर शाम आरोपी अरुण चौरसिया व तीन अन्य लोगों के खिलाफ मैहर कोतवाली में धारा 132, 121, 296 व 351 बीएनस के तहत केस दर्ज किया गया। कुछ देर बाद पुलिस चौरसिया के घर पहुंची और उसे पकड़कर थाने ले आई। चौरसिया मैहर नगर पालिका के वार्ड 12 की पार्षद अर्चना चौरसिया का पति है। वह भाजपा का मंडल उपाध्यक्ष भी है। उसने आरक्षक गुड्डू यादव को धमकाया और मारपीट की। चौरसिया के अन्य तीन साथियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि नगर में रविवार को प्रतिमा विसर्जन के पहले झांकियों का चल समारोह निकल रहा था। रात के लगभग एक बज रहे थे। चौरसिया व उसके साथी डीजे में नशे में धुत होकर नाच रहे थे। आरक्षक ने उनसे कहा कि बहुत रात हो गई है आगे बढ़ते रहें। आरक्षक का इतना कहना भाजपा नेता को नागवार गुजरा। उसने पुलिसकर्मी पर थप्पड़ जड़ दिए। आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

रामाकृष्णा कॉलेज में मशीन लर्निंग पर एक्सपर्ट टॉक आयोजित

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, श्री रामाकृष्णा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, करही सतना के कंप्यूटर साइंस एवं मैकेनिकल विभाग के बी.टेक एवं पॉलीटेक्निक के छात्रों के लिए एमबीडेड सिस्टम एवं मशीन लर्निंग फार रोबोटिक्स विषय पर एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को फायरवर्ड - वी रोबोटिक्स रिसर्च प्लेटफार्म से परिचित कराया, जिसमें मशीन लर्निंग के अनुखे संगम को एक इण्ड्रस्ट्रियल रोबोट का उदाहरण लेकर समझाया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को रोबोटिक्स एवं आटोमेशन में नवीन परियोजनाओं के लिए तैयार करना है। इसमें रोबोटिक्स के क्षेत्र में एन्टरप्रिन्योरशिप की असीम संभावनाओं से भी अवगत कराया गया है। एक्सपर्ट लेक्चर डा0 योगेश त्रिपाठी पोस्टडाक्टरल फेलो आईआईटी गुवाहटी के द्वारा दिया गया। उक्त कार्यशाला में हायर सेमेस्टर डीन दीपेश निगम, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष वरुण सिंह, मैकेनिकल विभागाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुशवाहा समेत समस्त फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित रहे।

देवबंद के अति प्राचीन श्री राधा वल्लभ मंदिर के 6 करोड़ 13 लाख 54 हजार की लागत से होने वाले

जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य के लिए हुआ भूमि पूजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर के मोहल्ला कायस्थवाड़ा में स्थित श्री राधा वल्लभ जी के अति प्राचीन मंदिर की पुरातन भव्यता को पुन: स्थापित किए जाने हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य मंत्री बृजेश सिंह के प्रयासों से पर्यटन विभाग द्वारा 6 करोड़ 13 लाख 54 हजार की लागत से होने वाले जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह के ने कहा कि प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा द्वारा आस्था के प्रतीक धर्म स्थलों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिसमें देवबंद विधानसभा में श्री मनकेश्वर महादेव मंदिर एवं अति प्राचीन श्री राधा वल्लभ मंदिर के लिए उनके द्वारा प्रदेश सरकार के समक्ष मंदिरों की प्राचीनतम सिद्धता को प्रस्तुत किया गया। जिस पर प्रदेश सरकार ने निर्णय लेते हुए इनके लिए बजट जारी किया। आज इसी कड़ी में श्री राधाबल्लभ प्राचीन मंदिर में श्री ठाकुर जी के परम भक्तों के साथ मिलकर उनके द्वारा शिलान्यास कार्यक्रम किया गया। उन्होंने प्रदेश यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्रालय के मंत्री का भी धन्यवाद किया। उन्होंने मंदिर में श्री राधा नवरंगी लाल जी के दर्शन, पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भारी संख्या में भक्तजन एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री राधाबल्लभ मंदिर सेवा ट्रस्ट सदस्य गण एवं मंदिर के मुख्य पुजारी द्वारा राज्य मंत्री को ठाकुर जी का आशीर्वाद स्वरुप पटका एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंडित श्री नवनीत लाल गोस्वामी, नीरज गोस्वामी, विजय त्यागी, देवबंद नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गर्ग, डॉ उपेंद्र सिंह, आशुतोष गुप्ता, योगेंद्र गोयल, श्याम कुमार अग्रवाल, राजकिशोर गुप्ता, विपिन भारतीय, अरुण गुप्ता, ठाकुर यशवंत राणा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कटनी दशहरा समिति के सदस्यों के साथ पुलिस अधिकारी ने किया दुर्व्यवहार

मामला पुलिस अधीक्षक तक पहुँचा

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी के श्री महाकाल सरकार समिति के सदस्यों नें एक पुलिस अधिकारी पर धक्का मुक्की करते हुए अपमानित किए जाने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है, समिति के सदस्यों नें सौपे गए शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि कटनी पुलिस में पदस्थ संदीप अयाची के द्वारा श्री महाकाल सरकार समिति के सदस्यों से धक्का मुक्की करते हुए अपमानित किए किया है। श्री महाकाल सरकार समिति के सदस्यों ने बताया की कटनी में दशहरा 2 दिवसीय होता है जिसमें दूसरे दिन के दशहरा दिन को कटनी के गाटर घाट मे निर्मित विसर्जन कुंड में कटनी दशहरा महोत्सव मंच की सदस्य समिति श्री महाकाल सरकार समिति चांडक चौक की प्रतिभा हर वर्ष की भांति शांतिपूर्वक माता के जयकारे लगाते हुए हाँथो से प्रतिमा विसर्जन हेतु कुंड में लाई जा रही थी जहाँ पर उपस्थित

पुलिस में पदस्थ संदीप अयाची के द्वारा अकारण ही महाकाल सरकार समिति के सदस्यों से किसी अपराधी की भांति गाली-गलौच एवं धक्का मुक्की कर अत्यधिक आपतिजनक एवं अपमानजंक शैली का उपयोग किया गया साथ ही समिति के सदस्यों के विरोध करने पर डराया गया की अगर यहां से चुपचाप नहीं गए तो हड्डियां तोड़ दूंगा। जिले में समस्त पुलिस बल एवं अन्य शासकीय और सामाजिक संस्थाएं आपसी सौहार्दता के साथ बड़े ही प्रेमभाव से विभिन्न समस्याओं को सुलझाते हुए इन त्यौहारों को मनाते हैं वहीं ऐसे निकृष्ट व्यवहार से समितियां में आक्रोश व्याप्त है और पुलिस बल की भी छवि धूमिल हो रही है जो की पूर्णत: दुर्भाग्यपूर्ण है जिसकी कटनी दशहरा महोत्सव मंच इसकी कड़ी निंदा करता है। समिति के सदस्यों नें पुलिस अधीक्षक से कटनी पुलिस मे पदस्थ संदीप अयाची के इस शैली पर शक्ति से जांच करवाते हुए कार्यवाही करने की मांग की है। उक्त समिति के सदस्यों नें शिकायत पत्र की सूचनार्थ कॉपी मुख्यमंत्री म.प्र. शासन, भोपाल, गृह मंत्री म.प्र. शासन, पुलिस महानिर्देशक म.प्र. पुलिस विभाग, पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन को भेजी है।

सोशल मीडिया उपयोग के लिए प्रतिबंधित आदेश जारी

अलीराजपुर - कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत जन सामान्य के हित एवं लोकशांति को बनाये रखने के लिए जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेश, चित्रों, वीडियो, ऑडियों, मैसेज पोस्ट नहीं करेगा , किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक द्वेषपूर्ण अथवा धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले संदेश एवं चित्र ऑडियो, वीडियों प्रसारित नहीं करेगा , ऐसे चित्र, ऑडियो, वीडियो, कमेंट्स आदि पर प्रतिबंध हो, जो आंतकवाद , जातिवाद, साम्प्रदायिकता ,जाति विशेष के विरूद्ध प्रतिकूल टिप्पणी करना , किसी भी जुलूस आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का उपयोग एवं प्रदर्शन एवं साथ लेकर चलना पूर्णत: आदि को प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए गए । यह आदेश 14 अक्टूबर 2024 से 14 दिसंबर 2024 तक जिले में प्रभावशील रहेगा । उक्त आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही अभियोजित की जाएगी ।

जामिया तिब्बिया देवबन्द में मौलाना नदीम उल वाजिदी के इंतकाल पर आयोजित हुई शोक सभा

वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किये

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर । देवबंद, जामिया तिब्बिया देवबन्द के ताहिर हॉल में प्रख्यात आलिम-ए-दीन मौलाना नदीम उल वाजिदी के इंतकाल पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध शायर डा0 नवाज़ देवबन्दी ने की। शोक सभा का प्रारम्भ कारी मुहम्मद वासिफ के तिलावते कलाम पाक से किया गया। शोक सभा में वक्ताओं ने मौलाना नदीम उल वाजिदी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बारे में अपने विचार व्यक्त किये। लेखक सय्यद वजाहत शाह उर्फ कमल देवबन्दी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मौलाना नदीम उल वाजिदी बहुत ही नेकदिल इंसान थे उन्होंने अपने जीवन को बहुत ही सादगी के साथ बिताया। उन्होंने कभी भी छोटे-बडे का भेदभाव नहीं किया बल्कि छोटों के साथ छोटे एवं बडों के साथ बडे बनकर रहते थे। कांग्रेस के प्रदेश सचिव राहत खलील ने कहा कि मौलाना का देहान्त हम सब के लिए नहीं बल्कि पूरे आलम-ए-दीन के लिए दुख की घडी है। जिसकी पूर्ति होना नामुमकिन है। प्राचार्य प्रो. अनीस अहमद जामिया तिब्बिया देवबन्द ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बहुत ही मिलनसार थे। वह अरबी के बडे विद्धवान थे। उन्होंने अपने उर्दू और अरबी ज़बान में दारूल उलूम के परिचन में कई किताबें लिखी। इसके अतिरिक्त अरबी ज़बान का ज्ञान देने के लिए एक सेंटर की स्थापना की। यू0पी0 राब्ता कमैटी के सचिव डा. उबैद इकबाल आसिम ने कहा कि मौलाना नदीम उल वाजिदी बहुत ही सादा जीवन व्यतीत करते थे। मौलाना बडे अख्बरात व पत्रिका के मशहूर कलम निगार थे। देवबन्द में दीनी किताबों की प्रकाशन का बडा सिलसिला है। कुतुबखाने बहुत ही सादा और मामूली हुआ करते थे। मौलाना नदीम उल वाजिदी ने दारूल

किताब को किताबों पुरकशिश मार्डन शोरूम बनाया तो लोगों ने इस रिवाज को आगे बढ़ाते हुए एक से एक शोरूम बना दिये। जिसका श्रेय भी मौलाना को जाता है। डा. अनवर सईद ने अपने सम्बोधन में कहा कि मौलाना नदीम उल वाजिदी बडे आलिम व मुसन्निफ होने के बावजूद बहुत ही मिलनसार शख्सियत थे। उन्होंने लगभग 80000/- ओराक लिखे। मौलाना का जन्म 23 जुलाई सन 1954 को मौलाना वाजिद हुसैन रह0 साबिक शेख उल हदीस के घर में हुआ था। मौलाना नदीम उल वाजिदी का देहान्त कल शिकागो (अमेरिका) में हुआ। उन्होंने एक वक्ता के रूप में असंख्य लेख लिखे एवं सेमिनार, जलसों व कार्यक्रमों में भाग लिया। उनके लेख देश के प्रसिद्ध समाचार एवं पत्रिकाओं दारूल उलूम, नया दौर, हुमा, अल्जमियत आदि में प्रकाशित हुये। उन्होने लम्बे समय तक स्वयं के सम्पादन में उर्दू मासिक पत्रिका तर्जुमाने देवबन्द का सफल प्रकाशन किया। 70 साल की संघर्षशील बेमिसाल ज़िन्गी गुज़ारकर इस दुनिया से रूखसत हो गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात शायर डा. नवाज़ देवबन्दी ने कहा कि मौलाना नदीम उल वाजिदी से मेरा सम्बन्ध बहुत गहरा था। वह हमारे दोस्तों में थे और अक्सर जो कोई भी मुझसे दीनी और इल्मी सवालात के बारे में पूछता था तो मैं= मौलाना से उनका जवाब मालूम करके पूछे गये सवालों का जवाब आगे देता था। डा. नवाज देवबन्दी ने कहा कि उनका जाना आलम दीन के लिए बडा खसारा है जिसकी भरपाई होना मुश्किल है। इसके अतिरिक्त मुफ्ती मौहम्मद आरिफ, अशरफ उस्मानी, फहीम नम्बरदार, अनस सिद्दीकी सचिव ईदगाह कमैटी, मुफ्ती मौ0 वासिफ, अब्दुर्रहमान, जावेद अंसारी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन डा. अहतशामुल हक सिद्दीकी चिकित्साधीक्षक जामिया तिब्बिया देवबन्द ने किया। कार्यक्रम में अमजल इलाही, सैय्यद हारिस, आमिर उस्मानी, अहमद गौड प्रतिनिधि सांसद, असद जमाल फैज़ी, सुहैल उस्मानी, शागिल उस्मानी, जमशेद अनवर, ताज उस्मानी, इनाम इलाही एवं कालेज एवं अस्पताल के समस्त स्टाफ व छात्र एवं छात्रायें एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

त्रिदिवसीय शरदोत्सव : कलाकार बिखेरेंगे सुर लहरियां लोक संगीत पर थिरकेंगे पांव, कल होगा शुभारम्भ

इंडियन आइडल के विजेता गायक पवनदीप राजन एवं अरुणिता कांजीलाल मुम्बई की होगी प्रस्तुति

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ । सतना, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट में एक बार पुन: जाने माने कलाकार सुर लहरियां बिखेरेंगे। लोक कलाकारों के संगीत पर जब पांव थिरकेंगे तब नजारा बेहद रमणीय होगा। अवसर होगा 16 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच चित्रकूट में आयोजित होने वाले पारम्परिक एवं समकालीन कला की सांस्कृतिक संध्या त्रिदिवसीय शरदोत्सव का। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा जिला प्रशासन सतना और संस्कृति संचालनालय मध्यप्रदेश के सहयोग से शरदोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के जन्मदिन पर शरदोत्सव का रंग कुछ अलग होगा। तीनों दिन के कार्यक्रम का आयोजन दीनदयाल परिसर में शाम 7 बजे से आयोजित किया जायेगा। इसके लिये कलाकारों को चित्रकूट आने का आमंत्रण दिया गया है। आयोजन को लेकर मंगलवार को उद्यमिता विद्यापीठ के लोहिया सभागार में व्यवस्था टोली की बैठक में कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक की अध्यक्षता दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन द्वारा की गई। नानाजी के जन्मदिवस पर खीर प्रसादी का भी वितरण किया जाएगा। शरदोत्सव के आयोजक मंडल ने आयोजन की जानकारी देते हुये बताया कि 16 अक्टूबर को भजन संध्या गायन कार्यक्रम का आयोजन है। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक पवन तिवारी टीकमगढ़ व आनन्द रघुनन्दन नाट्य प्रस्तुति निर्देशन अनामिका सिंह परिहार सतना की प्रस्तुति तथा अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान, सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकी कुंड, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, तथा सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय व पुरातन छात्र परिषद की भी प्रस्तुति रहेगी। 17 अक्टूबर को भक्ति गायन साधौ वैण्ड एवं साथी मुम्बई के अलावा भक्तिमती शबरी लीला नाट्य निर्देशन सविता दाहिया सतना, संगीत-मिलिन्द त्रिवेदी, आलेख-योगेश त्रिपाठी की प्रस्तुति रहेगी। वहीं तीसरे दिन 18 अक्टूबर को सुगम संगीत का आयोजन है, जिसमें इंडियन आइडल के विजेता गायक पवनदीप राजन एवं अरुणिता कांजीलाल मुम्बई की प्रस्तुति होगी। उपरोक्त कार्यक्रम दीनदयाल परिसर में प्रतिदिन शाम 7 बजे से आयोजित किए जाएंगे।

सतना के रहने वाले थे प्रेमी-प्रेमिका, प्रेम प्रसंग में नाकाम होने पर की खुदकुशी

सोनवारी नदी में उतराते मिले युवक-युवती के शव

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ । सतना, मैहर के सोनवार नदी में सोमवार सुबह युवक-युवती के शव पानी में उतराते मिले। वहीं नदी के किनारे लावारिस हालत में बाइक एमपी 19 एमटी 8345 खड़ी थी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस अधिकारी बल सहित घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से पहले युवती का शव बाहर निकाला। युवक का शव निकालने में पांच घंटे लग गए। आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने एक साथ नदी में कूद कर खुदकुशी की है। मृतका की जेब से एक सुसाइड नोट मिला जिसके युवक व युवती के नाम लिखे थे। सुसाइड नोट के आधार पर मृतिका की पहचान सृष्टि वर्मा व मृत युवक की शिनात शिवम रैकवार के रूप में हुई। दोनों सतना के रहने वाले थे। युवती कोलगवां थाना के संग्राम कालोनी व युवक सिटी कोतवाली के प्रेमनगर का निवासी था। सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस को पता चला कि युवक व युवती

का प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करने वाले थे लेकिन परिजन इसके खिलाफ थे जिसके चलते दोनों ने खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों के शवों को सिविल अस्पताल की मर्चुरी में रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा कि दोनों की मौत कब हुई। पहचान होने के बाद मृतिका के परिजन घटनास्थल पहुंचे। पुलिस थाना में उनसे पूछताछ कर रही है। मृत युवक के परिजन देर शाम तक थाना नहीं पहुंचे थे।

काश! हम एक हो पाते युवती के पास मिले सुसाइड नोट में लिखा है कि हम दोनों (शिवम) के परिवार समझ पाते तो हम साथ में जीते। हम दोनों को परिवारों ने परेशान किया और कोई रास्ता नहीं छोड़ा। पारिवारिक समस्याओं के चलते जा रहे हैं। काश हम एक हो पाते। पुलिस सुसाइड नोट की जांच कर रही। हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से राइटिंग मिलान कराया जाएगा। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग में नाकाम होने पर खुदकुशी का लग रहा है। मृतिका के पास से सुसाइड नोट मिला है जिसकी जांच की जा रही है।

राजीव पाठक, सीएसपी लापता थी युवती,19 वर्षीय सृष्टि दशहरा वाले दिन 12 अक्टूबर से लापता थी। जब उसका कहीं पता नहीं चला तो परिजनों ने कोलगवां थाना में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया लेकिन युवती की तलाश शुरू नहीं की। पुलिस ने बताया कि अभी ऐसा लगता है कि दशहरा के दिन ही दोनों सतना से मैहर आए और सोनवारी में उसी दिन नदी में कूद गए।

श्रद्धा के अभाव मे हमारा जीव संसार में भटक रहा है साध्वी सुव्रता जी

पेटलावद। ओली जी पर्व का सातवां दिन दर्शन पद की आराधना करने का है। दर्शन यानी जिनवाणी व धर्म में दृढ़ श्रद्धा होना। जिसकी धर्म में श्रद्धा दृढ होगी उसका चरित्र भी शुद्ध हो जाता है ।एकलव्य ने मात्र गुरु में श्रद्धा रखी और उनकी अनु उपस्थित मे भी वह कुशल योद्धा बन गया ।वैसे ही जो देव गुरु धर्म में दृढ़ श्रद्धा रखेगा वह मोक्ष मार्ग को पालेगा। गुरु भले हमसे बोले नही तो भी उन पर श्रद्धा रख निकट ही रहना चाहिए क्योंकि उनके क्रिया कलाप भी हमे बहुत कुछ कह देते हैं ।जैसे ईत्र वाले से ईत्र नहीं खरीदने पर मात्र उसके पास रहने से हमें सुवास मिल जाती है। श्रद्धा के अभाव मे हमारा जीव संसार में भटक रहा है। सम्यक दर्शन विशेष पर्याय है जो हमारे जीवन में निश्चल श्रद्धा व विश्वास

जगाता है ।भगवान ने जो कहा उसे पर दृढ़ श्रद्धा रखना ही सम्यक दर्शन है। उक्त धर्म उपदेश साध्वी श्री सुव्रता जी ने ओली पर्व के सातवें दिन धर्म सभा में कहे। साध्वी श्री नेह प्रभा जी ने कहा इंद्रियों को वश में नही रखने से जीव आकुलता व्याकुलता हो जाता है। पतंगा अपनी इंद्रियों को वश में नही रही रखने से जिंदा जल जाता है। आज सातवें दिन 61 आयबींल हुए जिसके लाभार्थी झमक लाल ताराचंद भंडारी परिवार रहा ।आज कि प्रभावना विरल कुमार अनोखी लाल मोदी दीपेश सोहनलाल मुणत विजय कुमार विपुल कुमार रखब चंद सोलंकी दीपक अनोखी लाल भंडारी व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दंपति विनोद कुमार भंडारी व श्रीमती संगीता भंडारी परिवार रहा।

बालाजी मेले में टैराकोटा के ईको फ्रेंडली सोवेनियर बने आकर्षण का केंद्र

बुरहानपुर -एम पी टूरिज्म बोर्ड की -महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना अंतर्गत बुरहानपुर संकुल में द फिफ्थ डायमेंशन एकेडमी द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण दिया जा रहा।।यहां महिलाओं को टेराकोटा से बने विभिन्न समान मेले में बेचने के लिये स्टाल लगाया गया।जहां यहां आने वाले लोगो द्वारा खूब पसंद किया जा रहा संस्था की नोडल अधिकारी मालविका डांगीवाला ने इस परियोजना हेतु जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस विभाग आदि के सहयोग की सराहना करते हुए बताया की महिलाओं को बुरहानपुर व असीरगढ़ में प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण उपरांत ये महिलाएं पर्यटन मित्र कहलाती हैं। सभी पर्यटन मित्रों का उद्देश्य जिले व राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है। अत: इस वर्ष, भव्य एवं ऐतिहासिक बालाजी मेले में संस्था के स्टॉल से पर्यटन मित्रों द्वारा हैंड एंब्रॉयडरी व टेराकोटा निर्मित असीरगढ़ किला,

गुरुद्वारा आदि के ईको फ्रेंडली सोवेनियर की खरीदी कर लोगों ने उनके काम की बेहद तारीफ करी। मालविका ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करने के साथ ही इस मेले हेतु उनकी संस्था द्वारा कपड़े के बैनर को प्राथमिकता दी गई है।

स्टार नाइट आर्केस्ट्रा द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दीं

कपासन नगर पालिका द्वारा दशहरा मेले के तहत मंगलवार रात्रि को मेला रंग मंच पर स्टार नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जिसमें टीवी सीरियल की मशहूर एक्ट्रेस रश्मि गुप्ता और गरिमा दीक्षित ने अपने डांस से दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया ।मेला रंगमंच पर इस दौरान अन्य कलाकारों ने भी आकर्षक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं।

मंगलवार रात्रि को पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्टेडियम में नगर पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में टीवी सीरियल साथ निभाना साथिया, गुडन तुमसे ना हो पाएगा और बालिका वधू जैसे सीरीयल में काम कर चुकी रश्मि गुप्ता ने विभिन्न गीतों पर शानदार डांस प्रस्तुत कर पूरे पंडाल को झूमने पर मजबूर कर दिया ।साथ ही गरिमा दीक्षित ने भी यह वादा रहा, गुडन तुमसे ना हो पाएगा, और सावधान इंडिया की एक्ट्रेस के रूप में अपने अभिनय का जादू बिखेरा ।रश्मि ने फिल्मी गीतों जैसे परम परम सुंदरी, रोमियो रोमियो, साउथ के गाने मलम पीथा पीथा, और ओ अंटावा के रिमिक्स पर नृत्य

किया। वहीं गरिमा दीक्षित ने रिमिक्स गानों के बाद राजस्थानी गीत बाई सा घूमर घूमर घूमे रे, बना रे बागा में झुला गाल्या, और पलो लटके पर भी अपनी प्रस्तुति दी ।इसके अलावा मुंबई के मून वॉकर डांस ग्रुप ने भी कई फिल्मी गीतों पर शानदार डांस प्रस्तुत किया ।नाटे कद के कलाकार सलीम नागोरी सलमान, डांसर रामूजी, संध्या, और निकिता ने भी अपने नृत्य से सबका दिल जीत लिया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अर्जुन लाल जीनगर कार्यक्रम कि अध्यक्षता नपा अध्यक्ष मंजू देवी सोनी ने की। उपाध्यक्ष ऐजाज अली, ईओ भानु प्रताप सिंह राणावत, जेईएन खेमराज गुर्जर,राधेश्याम वैष्णव सहित नगर पालिका पार्षद पुष्पा वैष्णव,सुनीता शर्मा,वंदना सोनी, वंदना बुढ़साना,अशोक

विजयवर्गीय,मुकेश पलोड, लता वैष्णव, हीरा लाल शर्मा, गोपाल लाल पुरबिया, महबूब शाह पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि आशीष सोनी, पार्षद प्रतिनिधि गौरव दाधीच, प्रतीक वैष्णव, अखिलेश तिवारी,किसान मोर्चा अध्यक्ष शंभु लाल बागड़ा, युवा मोर्चा के पूर्व नगर अध्यक्ष मनीष बारेगामा,पूर्व पार्षद सोहन लाल खटीक,युवा नेता बबलू चंदेल, मनोज सोनी भी मौजूद रहे।

विहिप के प्रकाश सीमा सेन, सुधीर सेन एवं परिवारजनो के सौजन्य से रात्रि जागरण हुआ सम्पन्न, ना कोई तेरा है, ना ही कोई मेरा है, बाद में पछताएगा जब पिंजरा से पंछी निकल जाएगा सहित मधुर, मधुर भजनो की हुई प्रस्तुतियां, अध्यक्ष नारायण सोमानी भी हुए शामिल

जावद निप्र। सेन समाज के स्वर्गीय राजमलजी एवं सेन समाज के जिला उपाध्यक्ष व विहिप के प्रकाश सेन की माताजी, जावद सेन समाज के वरिष्ठ स्वर्गीय श्री गोटूलालजी की धर्मपत्नी, स्वर्गीय श्री गोवर्धनलालजी की भाभीजी एवं सुरेश, लाभचंद, कन्हैयालाल की बड़ी मम्मी व संजय, सुधीर, हिमांशु, ऋषि, नमन (दक्ष) की दादी जी व जीवांश और युगल की पडदादीजी श्रीमती रामसुखीबाई धारपरमार सेन का गंगोज की महाप्रसादी खोर दरवाजा स्थित वीरेंद्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन में सम्पन्न हुआ। प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी महाप्रसादी में पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए। सोमवार को महिलाओं का संगीतमय रात्रि जागरण में भजन गायको ने खाली हाथ आया है खाली हाथ ही जाना है...ना कोई तेरा है, ना ही कोई मेरा है, बाद में पछताएगा जब पिंजरा से पंछी निकल जाएगा...नही चाहिए दिल दुखाना किसी का, जो आया है उसको जाना है...कंचन वाली काया है, एक दिन आना है

क्षैत्र में धड़ल्ले से बिक रही है अवैध शराब?

आबकारी विभाग की कार्यवाही केवल गरीब आदिवासीयों पर

डही - धार जिले के अंतिम छोर पर आदिवासी बाहुल्य इलाका जहां के अधिकतर लोग खेती बाड़ी और छोटे व्यापार करके अपना जीवन यापन करते हैं। किंतु पिछले कुछ समय से पुरे क्षैत्र में अवैध शराब का कारोबार फल फुल गया है। नगरीय क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी अवैध शराब धड़ल्ले से बिक रही हैं। आबकारी विभाग कार्यवाही तो कर रहा है पर उन लोगों पर जो छोटी मछलियां है बड़े बड़े शराब तस्करों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है जिससे संदेह पैदा हो रहा है कि क्या बड़े शराब माफियाओं के ऊपर किसी का वरदहस्त है या कोई आपसी सांठगांठ है।आपका एक्शन नहीं आ रहा रास छोटे प्यादे पकड़ रहे हो,और छोड़ रहे हो उन्हें जो है खास ! और जब हाथ मगरमच्छ तक मार सकते है तो छोटी मछलियों का शिकार करने का क्या फायदा ? गरीब आदिवासीयों के पास थोड़ी बहुत शराब मिल जाए तो उनके विरूद्ध कार्यवाही कर उन्हें प्रताड़ित किया जाता हैं। सूत्रों से पता चला है कि पुरे डही क्षेत्र में तीन सौ के लगभग दुकानें, ढाबे, होटल हैं जहां पर पड़ोसी जिले की अवैध शराब बिक रही है पर आबकारी अधिकारीयों द्वारा उनके विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं करना समझ से परे हैं। क्षैत्र में जाकर जानकारी लेने पर अवैध शराब बिकने का एक कारण यह भी है कि डही की शराब दुकान से शराब मंहगे दामों में मिल रही हैं और पड़ोसी जिले की शराब दुकानों से सस्ती कीमत पर शराब मिल रही है जिसके कारण शराब तस्कर पड़ोसी जिले से कम दाम में अवैध शराब लाकर डही क्षैत्र में भोले भाले आदिवासियों में खपा कर चांदी काट रहे हैं। कुछ मामले तो ऐसे भी है जहां

आबकारी अधिकारी पूरी तरह से पस्त नजर आए। ऐसा ही मामला कुछ दिनों पहले सामने आया। आबकारी अधिकारी प्रीतिबाला नरगावे गश्त के दौरान ग्राम धरमराय में एक जनपद सदस्य जो पहले विपक्ष पार्टी का सदस्य था और अभी सत्तासीन पार्टी का सदस्य है उस पर अवैध शराब मामले पहले भी कार्यवाही हो चुकी हैं के यहां दबिस देकर अवैध शराब पकड़ी। गांव के लोगों को लगा कि आबकारी अधिकारी प्रीतिबाला नरगावे शख्त अधिकारी हैं और अवैध शराब पर जनपद सदस्य पर कार्यवाही करेंगी पर कुछ ही घंटो में ऐसा क्या हुआ कि जब्त की गई अवैध शराब को अज्ञात बताकर मामला दर्ज

किया गया। ऐसे कई मामले हैं जिसकी वजह से आबकारी विभाग संदेह के घेरे में है। क्या आबकारी विभाग पर राजनेतिक दबाव या सत्तासीन लोगों के प्रभाव के कारण कार्यवाही नहीं की जा रही हैं। क्षैत्र में चर्चा का विषय है।अवैध शराब बिक्री से जहा लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। शराब ठेकेदार कंपनी को हानि हो रही है वहीं शासन के राजस्व को भी नुकसान हो रहा है। कलेक्टर जिला धार को मामले का संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए जानें चाहिए। अन्यथा अवैध जहरीली शराब से क्षैत्र के आदिवासी समाज के यूवा बर्बाद हो जायेंगे।

लॉरेंस बिश्नोई अपराध से दूर रहने वाले लड़कों को बना रहा शार्प शूटर?

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के सीनियर नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आ रहा है। अब तक पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है तो खंडन भी नहीं किया है। वहीं लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने तो इसकी जिम्मेदारी ही ले ली है। इस हत्याकांड को सलमान खान को धमकी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। इसके चलते यह कांड हाईप्रोफाइल हो गया है और पुलिस मुंबई से लेकर दिल्ली तक तफ्तीश में जुटी है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के काम करने का अलग ही तरीका है और पूरे देश में करीब 700 शार्प शूटर उसने खड़े कर लिए हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की पड़ताल कर रहे कुछ पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह गैंगस्टर अलग ही तरीके से काम करता है। वह आमतौर पर ऐसे लड़कों को अपने साथ लाता है, जिनका पिछला कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता। इनके जरिए ही वह बड़ी से बड़ी हत्याओं को अंजाम दिलाता है, जिससे पुलिस को कोई शक नहीं होता और ये लोग आसानी से मूवमेंट कर पाते हैं। इन लड़कों में उन्हें शामिल किया जाता है, जो जेल में कुछ समय पहले ही आए हों। इसके बाद उनकी मीटिंग लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गों से होती है और उन्हें टारगेट सौंपे जाते हैं।

बीते साल से साबरमती जेल में है बंद

गुजरात की साबरमती जेल में लॉरेंस बिश्नोई खुद बीते साल से ही बंद है। इसके अलावा उसकी गैंग के कई लोग राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की जेलों में कैद हैं। इनके जरिए वह कोई अपराध अंजाम नहीं दे सकता। इसलिए नई पौध खड़ी करता है और उन लोगों को चुनता है, जिनके नाम पर पहले से कोई केस न हों। एनआईए सूत्रों का कहना है कि इसके लिए उन लोगों को भी कई बार चुना जाता है, जो बेरोजगार हों। इन्हें मोटी रकम का लालच मिलता है या फिर विदेश में कहीं सेटल कराने का झांसा दिया जाता है। ऐसा कई लोगों के साथ किया भी गया है और वे कनाडा जैसे देशों में रह रहे हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए भी इसी पैटर्न का इस्तेमाल हुआ और नए लोगों को इसके लिए चुना गया। लॉरेंस बिश्नोई गैंग कुख्यात होता जा रहा है और पूरे देश में खौफ का दूसरा नाम बन चुका है। इसी साल की शुरूआत में हरियाणा की पार्टी इनेलो के नेता नफे सिंह राठी की हत्या हुई थी। इसके अलावा गुरुग्राम में बुकी सचिन मुंजाल मारा गया था। इन कत्लों के पीछे भी बिश्नोई गैंग का ही नाम सामने आया था। यही नहीं लॉरेंस बिश्नोई के करीबी गुर्गे रोहित गोदारा ने इसकी जिम्मेदारी भी ली थी, जो फिलहाल कनाडा में बसा हुआ है।

गैंगस्टर के नाम पर ट्रूडो ने उगला जहर

खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बीते दिन भारत सरकार ने कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने के बाद अपने राजदूत को भी वापस बुला लिया।

अब कनाडाई पुलिस ने भारतीय अधिकारियों पर बड़ा आरोप लगाया है। दरअसल, कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि भारत सरकार के एजेंट्स गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ मिलकर कनाडा में आतंक फैला रहे हैं। पुलिस ने यह भी दावा किया कि उनका मानना ??है कि भारत सरकार के अधिकारी लॉरेंस के साथ दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बना रहे हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के सहायक आयुक्त ब्रिगिट गौविन ने कहा कि विशेष रूप से ये गैंग कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों को निशाना बना रहे हैं। हमने देखा है कि अधिकारी संगठित अपराधियों का उपयोग करते हैं। बता दें कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध उस समय और खराब हुए जब कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तान समर्थक आतंकी निज्जर की हत्या में भारतीय राजदूत का नाम लिया और भारत ने उसपर जवाबी कार्रवाई की।

10 साल बाद जम्मू-कश्मीर को आज मिलेगी चुनी हुई सरकार

उमर अब्दुल्ला लेंगे सीएम पद की शपथ

श्रीनगर। अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस की जीत के बाद उमर अब्दुल्ला के जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए मंच तैयार है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को डल झील के किनारे स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सुबह 11:30 बजे पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

समारोह स्थल के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा को इस कार्यक्रम में कई वीवीआईपी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इंडिया गठबंधन के घटकों को निमंत्रण भेजे गए हैं। नेकां के संभागीय अध्यक्ष कश्मीर नासिर असलम वानी ने कहा कि एलजी ने सोमवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष को केंद्र शासित प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। यह आमंत्रण केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के एक दिन बाद भेजा गया। एलजी के प्रमुख सचिव ने अब्दुल्ला को पत्र सौंपकर शपथ ग्रहण समारोह की तारीख और समय के बारे में बताया।

उमर को बीते वीरवार को सर्वसम्मति से नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक दल का नेता चुना गया था, जिससे मुख्यमंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल के लिए मंच तैयार हो गया। उनका पहला कार्यकाल 2009 से 2014 तक था जब जम्मू-कश्मीर एक पूर्ण राज्य था तब भी नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन सरकार थी। हाल ही में हुए चुनावों में 90 सीटों में से नेकां ने 42 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। दोनों चुनाव पूर्व सहयोगी दलों के पास 90 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत है।

पांच सदस्यों को एलजी द्वारा अलग से नामित किया जाना है। पांच निर्वाचित निर्दलीय विधायकों और आम आदमी पार्टी (आप) के एकमात्र निर्वाचित विधायक के समर्थन से उनकी ताकत और बढ़ गई है। सूत्रों की मानें तो उमर अब्दुल्ला के मंत्रिपरिषद में उनके समेत कुल 10 सदस्य होंगे। इनमें सकीना इत्तू, सैफुल्लाह मीर, अब्दुल रहीम राथर, अली मोहम्मद सागर, सुरिंदर सिंह, अजय सधोत्रा, पीरजादा मोहम्मद सैयद और कुछ निर्दलीय शामिल हैं।

प्रियंका गांधी का चुनावी आगाज

कांग्रेस ने वायनाड से बनाया प्रत्याशी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा के साथ ही कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर प्रियंका गांधी वाड्रा की उम्मीदवारी घोषित कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल से लोकसभा और विधानसभा के उपचुनावों के लिए सदस्यों को पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इनमें केरल की वायनाड लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी वाड्री को उम्मीदवार घोषित किया गया है तो वहीं केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट से राहुल ममकूटाथिल और चेलक्करा से राम्या हरिदास को उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि केरल की वायनाड लोकसभा सीट और विभिन्न राज्यों की 47 विधानसभा सीट के लिए 13 नवंबर को उपचुनाव होगा। वहीं नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में वायनाड और रायबरेली सीट से जीत दर्ज की थी। राहुल गांधी ने वायनाड सीट खाली कर दी थी और रायबरेली सीट को बरकरार रखा था। इस सीट से राहुल गांधी की बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा पार्टी की उम्मीदवार बनाया गया है।

अगर प्रियंका गांधी वाड्रा लोकसभा उपचुनाव जीत जाती हैं, तो गांधी परिवार के तीनों सदस्य पहली बार संसद में होंगे। राहुल गांधी द्वारा वायनाड सीट खाली करने के बाद ही कांग्रेस ने घोषणा कर दी थी कि प्रियंका गांधी वाड्रा वहां उपचुनाव लड़ेंगी। राहुल ने रायबरेली सीट इसलिए चुनी क्योंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस का मजबूत इतिहास रहा है, जिसने 1977, 1996 और 1998 को छोड़कर सभी लोकसभा चुनाव जीते हैं। राहुल के दादा-दादी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और फिरोज गांधी भी इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। रायबरेली में राहुल अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह सीट पहले 2004 से 2019 तक सोनिया गांधी के पास थी। 2019 में राहुल ने अमेठी और वायनाड दोनों सीटों से चुनाव लड़ा, लेकिन केवल केरल की वायनाड में ही जीत हासिल की। सोनिया गांधी अब राज्यसभा सांसद हैं। प्रियंका गांधी के सक्रिय राजनीति में आने की संभावना के साथ, गांधी परिवार संसद में अपना प्रभाव मजबूत करना चाहेगा। इसके अलावा, वायनाड में प्रियंका की मौजूदगी से पार्टी को उम्मीद है कि वह जनता को एक रणनीतिक संदेश भेजकर उत्तरी और दक्षिणी दोनों क्षेत्रों में कांग्रेस की मौजूदगी का संकेत देगी।

महाराष्ट्र में आचार संहिता से चंद मिनट पहले दिवाली बोनस का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा एलान किया। उन्होंने निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस की घोषणा की। शिंदे ने कहा कि बीएमसी (बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन) कर्मचारियों को भी 29 हजार रुपये बोनस मिलेगा। खास बात यह है कि इस साल राशि पिछली बार हुई घोषणा की तुलना में तीन हजार रुपये ज्यादा है। सरकार ने यह भी कहा है कि किंडरगार्टन कक्षा के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षकों और आशा वर्कर्स को भी बोनस का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले राज्य सरकार मदरसा शिक्षकों का वेतन बढ़ाने का एलान भी कर चुकी है। सरकार की आज की घोषणा इसलिए भी अहम है क्योंकि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अब किसी भी तरह के सरकारी लाभ वाले एलान पर पाबंदी रहेगी। हालांकि, कुछ अति विशिष्ट परिस्थितियों में निर्वाचन आयोग की मंजूरी के बाद सरकार पैसे जारी कर सकती है। इससे पहले बीते 11 अक्तूबर को राज्य सरकार ने मदरसा शिक्षकों का पारिश्रमिक बढ़ाने का एलान किया। सीएम शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य की कैबिनेट ने डीएड डिग्री वाले मदरसा शिक्षकों का मानदेय 6,000 रुपये से बढ़ाकर 16,000 रुपये और बीए, बीएड और बीएससी डिग्री वाले शिक्षकों का वेतन 8,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये करने का भी फैसला किया। महाराष्ट्र में सियासी गतिविधियों के तेज होने और सरकार के हालिया फैसलों के बीच यह जानना भी दिलचस्प है कि अगले 38 दिनों के बाद राज्य में नई सरकार का गठन होगा। चुनाव आयोग ने 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को नतीजों की घोषणा करने का एलान कर दिया है। प्रदेश की राजनीति में फिलहाल मुकाबला रोचक इसलिए भी है क्योंकि नेताओं-विधायकों का पाला बदलने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। फिलहाल सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना-भाजपा और अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महायुति सरकार में शामिल है।

मना करने के बावजूद रंजन गोगोई का नाम ले रहा था याचिकाकर्ता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक याचिकाकर्ता और पीठ के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद सिक्योरिटी को बुलाकर याचिकाकर्ता को कोर्ट से बाहर किया गया। याचिकाकर्ता अरुण रामचंद्र हुबलिकर ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ याचिका दायर की थी। गोगोई फिलहाल राज्यसभा के सदस्य हैं। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि एक सेवा विवाद से जुड़े आदेश में पूर्व सीजेआई गोगोई के हस्तक्षेप के कारण उनका जीवन दूभर हो गया है। हालांकि, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने हुबलिकर की दलीलों से असंतोष जताया और याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जब न्यायाधीशों ने याचिकाकर्ता से न्यायाधीश का नाम न लेने की सलाह दी, तो उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी बात सुनी जाए। इसके बाद कोर्ट में गरमागरमी बढ़ गई। अरुण रामचंद्र हुबलीकर ने शीर्ष अदालत में सेवा से अपनी अवैध बर्खास्तगी के खिलाफ याचिका दायर की और सेवा विवाद में अतीत में दाखिल अर्जी को खारिज करने के लिए पूर्व प्रधान न्यायाधीश गोगोई के खिलाफ आंतरिक जांच कराने का अनुरोध किया। आरोपों से नाराज न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीष चंद्र शर्मा की पीठ ने सुरक्षा कर्मियों से हुबलीकर को अदालत कक्ष से बाहर ले जाने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने 30 सितंबर को पूर्व सीजेआई के खिलाफ जांच के अनुरोध वाली याचिका पर कड़ी आपत्ति जताई थी और याचिकाकर्ता से पक्षकारों की सूची से न्यायाधीश का नाम हटाने को कहा था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान जब याचिकाकर्ता ने पूर्व सीजेआई का नाम लिया, तो पीठ नाराज हो गई। उसने कहा, ह्लहम आप पर जुमार्ना लगाने जा रहे हैं। किसी भी न्यायाधीश का नाम न लें। आपके मामले में कोई दम नहीं है।

जो बाइडेन ने नेतन्याहू को धमकाया गाजा में जो हो रहा ठीक करो वरना...

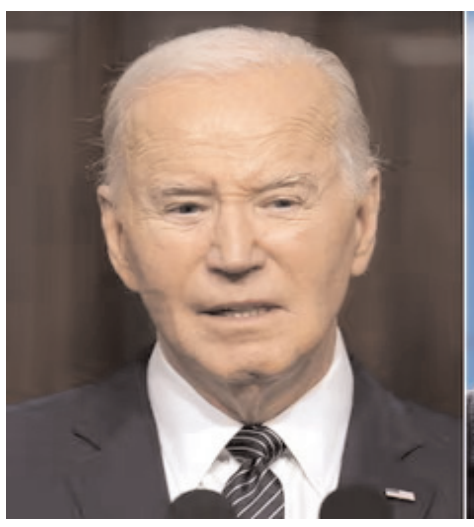

वाशिंगटन/तेल अवीव। गाजा में इजरायली सेना का भीषण नरसंहार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार आधी रात को इजरायल के ताजा हमले में दक्षिण गाजा में 15 लोगों की जान चली गई। यूएन ने गाजा में मानवीय मदद में देरी के लिए इजरायली सेना पर आरोप लगाए। इजरायली सेना के गाजा में लगातार आक्रामक रुख को लेकर अमेरिकी सरकार इजरायल पर बुरी तरह भड़क गई है। बाइडेन प्रशासन ने इजरायल को चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लागू करने के लिए उसके पास 30 दिन का समय है, अन्यथा उसे हथियारों की आपूर्ति रोक दी जाएगी। बता दें कि इससे पहले इजरायली मीडिया ने रिपोर्ट किया था कि एक साल से चल रही जंग में इजरायल मिसाइल और रॉकेट की भारी कमी से जूझ रहा है।

इजरायल को टेंशन में ला दिया

अमेरिका की धमकी ने इजरायल को टेंशन में ला दिया है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल में सामरिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को बाइडेन प्रशासन से एक पत्र मिला है, जिसमें गाजा पर अमेरिकी स्थिति को स्पष्ट किया गया है। पत्र में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि पिछले कई महीनों में गाजा में पहुंचने वाली सहायता की मात्रा में काफी गिरावट देखी गई है। इसके लिए अमेरिका सीधे तौर पर इजरायली सेना को जिम्मेदार मानता है। शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि गाजा में सहायता के मार्गों को प्रतिबंधित होने से इजरायल की प्रतिबद्धता पर सवाल उठता है और यह भी कि वह अमेरिकी हथियारों का उपयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप नहीं कर रहा है। इससे पहले इजरायल ने इसी साल के मध्य में वादा किया था कि वह गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के प्रयास में बाधा नहीं बनेगा और इसे बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। पत्र में ब्लिंकन और ऑस्टिन ने आरोप लगाया है कि हाल के महीनों में गाजा में मानवीय सहायता में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। उन्होंने आगे कहा कि सितंबर में गाजा में पहुंची सहायता की मात्रा पिछले साल के किसी भी महीने की तुलना में सबसे कम थी। उन्होंने पत्र में आगे लिखा है, गाजा में मानवीय क्षति को सुधारने और अपने वादे के अनुरूप इजरायल को अभी से 30 दिनों के भीतर स्थिति बेहतर करनी होगी, वरना अमेरिका से मिल रही हथियारों की आपूर्ति रोकी जा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569